नई दिल्ली ■ रविवार 26 अप्रैल 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 28 ■ पृष्ठ 08

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल, करनाल एवं मुजफ्फरनगर से प्रकाशित

04 मौजूदा दौर में भारत-दक्षिण कोरिया संबंध | 07 सीएसके लय हासिल करने की कोशिश में, गुजरात की नजर वापसी पर | प्रियंका चोपड़ा को मिलेगा 'ग्लोबल वैंगार्ड ऑनर' 08

उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा परिणाम : लड़कियों ने मारी बाजी

देहरादून/पिथौरागढ़। उत्तराखंड में 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम शनिवार को घोषित कर दिए गए, जिसमें लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बागेश्वर की गीतिका पंत और उधम सिंह नगर की सुशीला मेहंदीरत्ता ने संयुक्त रूप से 98 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं कक्षा की परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया।

वहीं, रामनगर के अक्षत गोपाल ने 98.20 प्रतिशत अंकों के साथ हाईस्कूल परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस बार राज्य में 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों के प्रतिशत में वृद्धि दर्ज की गयी है। राज्य के शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने नैनीताल जिले के रामनगर में स्थित बोर्ड मुख्यालय में परिणाम जारी करते हुए बताया कि 12वीं कक्षा का उत्तीर्ण प्रतिशत बढ़कर 85.11 प्रतिशत हो गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.88 प्रतिशत अधिक है।

उन्होंने कहा, "इन बेहतर परिणामों में हमारे शिक्षकों और विद्यार्थियों की मेहनत और समर्पण झलकता है।" रावत ने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और शीर्ष स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों से फोन पर बातचीत भी की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए परिणामों को उनकी निरंतर मेहनत और अनुशासन का प्रमाण बताया।

लू की चपेट में राजधानी

दिल्ली में पारा 43 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से रविवार को भी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। पश्चिम की दिशा से आने वाली गर्म हवाओं के कारण दिल्ली का तापमान सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस तक ऊपर चला गया है। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है क्योंकि इस दिन आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ ही हल्की बारिश का भी पूर्वानुमान है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटों के दौरान दिल्ली-एनसीआर में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और कुछ स्थानों पर लू चलने का येलो अलर्ट जारी किया है। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार का अधिकतम तापमान 42-44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात में उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर 15 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। अगले दिन दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में 26 अप्रैल को आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। इस दिन यहां का अधिकतम तापमान 41-43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25-27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है जबकि न्यूनतम तापमान कई जगहों पर सामान्य से अधिक रह सकता है। हवाओं की गति दोपहर में 25 किमी और शाम में 15 किमी रहने की संभावना है।

आईएमडी ने लू संबंधी परामर्श जारी किया

नई दिल्ली। कई क्षेत्रों में तापमान बढ़ने पर भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उष्ण लहर के संबंध में विस्तृत दिशानिर्देश और परामर्श जारी किया है। विभाग के दिशानिर्देश एवं परामर्श में धूप में, खासकर दोपहर के समय देर तक बाहर न रहने, पर्याप्त पानी एवं तरल पेय पदार्थ पीने, हल्के एवं हवादार कपड़े पहनने, अधिक गर्मी के दौरान बाहर अधिक श्रम वाले काम से परहेज करने जैसी बातें शामिल हैं। आईएमडी ने बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों के लिए विशेष देखभाल की सलाह दी है। विभाग ने इस बात पर जोर दिया कि गर्मी से होने वाली बीमारियों जैसे थकान एवं लू लगने से बचने के लिए निवारक उपाय महत्वपूर्ण हैं। उत्तर-पश्चिमी, मध्य और प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों में फिलहाल अधिकतम तापमान 40 डिग्री से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

आप अब पहले जैसी पार्टी नहीं रही: स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी से बगावत कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुईं स्वाति मालीवाल ने शनिवार को आरोप लगाया कि उनकी पूर्व पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से "भटक गई" है और इसके नेता अरविंद केजरीवाल अब पहले जैसे नहीं हैं। दिल्ली में सत्ता गंवाने के महज एक साल बाद 'आप' को शुक्रवार को उस समय सबसे बड़ा झटका लगा, जब राघव चड्ढा और मालीवाल समेत सात राज्यसभा सदस्यों ने एक साथ पार्टी छोड़ दी। बागियों में पार्टी संगठन के अहम चेहरे संदीप पाठक, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, अशोक मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी भी शामिल हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद मालीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "निर्णायक और मजबूत नेतृत्व" की तारीफ की। मालीवाल ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, "मैंने घर छोड़ा, सात साल झुग्गियों में रही, नौकरी छोड़ी और हर आंदोलन में साथ दिया। लेकिन जब केजरीवाल के घर उनके सहयोगी ने मुझ पर हमला किया और मैंने प्राथमिकी दर्ज कराने की कोशिश की, तो मुझे ही दबाया गया।" उन्होंने दावा किया कि जब वह शिकायत आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही थीं तो उन्हें "धमकाया और दबाया" गया।

भगवंत मान ने राष्ट्रपति से मिलने के लिए मांगा समय

पार्टी छोड़ने वाले सांसदों की वापसी पर करेंगे चर्चा

चंडीगढ़। पंजाब के सात में से छह राज्यसभा सदस्यों के आम आदमी पार्टी (आआपा) छोड़ने के बाद प्रदेश की राजनीति गरमाई हुई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान जहां पार्टी छोड़ने वाले राज्यसभा सांसदों के विरुद्ध आक्रामक हो गए हैं वहीं इस पूरे मामले को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिलने का समय मांगा है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने चंडीगढ़ में शनिवार को बताया कि वह राष्ट्रपति से पार्टी छोड़ने वाले सांसदों के 'वापस बुलाने' के मुद्दे पर अपना पक्ष रखेंगे।

उन्होंने कहा कि पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह राज्यसभा सभापति से मिलेंगे, जहां वे पार्टी छोड़ने वाले सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग करेंगे। संजय सिंह ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि मैं राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को सभी प्रासंगिक नियमों का हवाला देते हुए पत्र दूंगा, जिसमें इन सातों राज्यसभा सांसदों की सदस्यता समाप्त करने की मांग की जाएगी।

वहीं, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया एक्स पर पार्टी छोड़ने वाले सांसदों पर तंज कसा। मान ने लिखा कि अदरक, लहसुन, जीरा, मेथी पाउडर, लाल मिर्च, काली मिर्च और धनिया, ये सात चीजें मिलकर सब्जियां स्वादिष्ट बनाती हैं, लेकिन इनकी सब्जी नहीं बन सकती। आम आदमी पार्टी छोड़ने के बाद राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार को ही सांसद अशोक मित्तल और संदीप पाठक के साथ भाजपा ज्वाइन कर ली थी। राघव चड्ढा के मुताबिक हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल, राजेंदर गुप्ता भी हमारे साथ हैं।

सातों सांसदों के अयोग्य घोषित करने की मांग करेगी AAP

आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने शनिवार को कहा कि आम आदमी पार्टी राज्यसभा सभापति को पत्र लिखेगी और उन सात सांसदों को सदन से अयोग्य घोषित करने की मांग करेगी, जिन्होंने एक दिन पहले पार्टी छोड़ने का ऐलान किया था। संजय सिंह ने कहा, "दल-बदल विरोधी कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि राज्यसभा और लोकसभा में किसी भी प्रकार का विभाजन या गुटबंदी नहीं हो सकती। इसे कोई कानूनी मान्यता नहीं मिलती, भले ही दो-तिहाई बहुमत हो।" उन्होंने कहा कि संविधान की दसवीं अनुसूची और दल-बदल विरोधी कानून दोनों ही राज्यसभा या लोकसभा में किसी भी प्रकार के विभाजन, अलग गुट या धड़े को मान्यता नहीं देते, चाहे दो-तिहाई बहुमत ही क्यों न हो।

पीएम मोदी 29 अप्रैल को करेंगे गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की महत्वाकांक्षी गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना अंतिम चरण में पहुंच गई है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अप्रैल को हरदोई से देश के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करेंगे। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, करीब 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे देश की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में शामिल है। लगभग 37 हजार करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने चार प्रमुख पैकेज में विभाजित कर तेजी से पूरा कराया है। इस परियोजना को 'मल्टी-पैकेज' मॉडल के तहत क्रियान्वित किया गया, जिससे निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा हो सका। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की सख्त निगरानी में इसे चार हिस्सों में बांटकर अलग-अलग एजेंसियों से समानांतर रूप से कार्य कराया गया। बयान में कहा गया कि पहला पैकेज 129.70 किलोमीटर लंबा है, जिसकी लागत 9,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

सलीम वास्तिक निकला हत्यारा

अपहरण और हत्या के मामले में फरार उम्रकैद दोषी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 31 साल पुराने अपहरण कर फिरौती मांगने और हत्या के मामले में फरार चल रहे उम्रकैद दोषी सलीम खान उर्फ सलीम अहमद उर्फ सलीम वास्तिक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित हाल के वर्षों में एक चर्चित सोशल एक्टिविस्ट और यूट्यूबर के रूप में पहचान बना चुका था, लेकिन पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि वह 1995 के चर्चित अपहरण-हत्या कांड का दोषी है, जिसने कानून से बचने के लिए अपनी पहचान बदल ली थी और खुद को मृत तक घोषित करा दिया था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने शनिवार को बताया कि 20 जनवरी 1995 को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीमेंट कारोबारी सीताराम बंसल का 13 वर्षीय बेटा संदीप बंसल स्कूल जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। अगले दिन उसके पिता को फोन कर बताया गया कि बच्चा अपहरणकर्ताओं के कब्जे में है। इसके बाद 30 हजार रुपये की फिरौती मांगी गई और रकम लोनी फ्लाईओवर के पास बस स्टैंड पर बस में रखने को कहा गया। साथ ही धमकी दी गई कि पुलिस को जानकारी देने पर बच्चे की हत्या कर दी जाएगी। जांच के दौरान संदेह रामजस स्कूल के मार्शल आर्ट इंस्ट्रक्टर सलीम खान पर गया, जहां मृतक छात्र पढ़ता था। एक पड़ोसी ने बच्चे को "मास्टरजी" नामक युवक के साथ रिक्शे में जाते देखा था।

सरकार ने नीति आयोग का किया पुनर्गठन

नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली। सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन करते हुए अशोक कुमार लाहिड़ी को वाइस चेयरमैन तथा पांच पूर्णकालिक सदस्यों की नियुक्ति की है, जिनमें अर्थशास्त्री के वी राजू, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक एम श्रीनिवास और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अभय करंदीकर शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाहिड़ी और वैज्ञानिक गोबर्धन दास और पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गौबा सहित नए पूर्णकालिक सदस्यों को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, "सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। मैं अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर शुभकामनाएं देता हूं। साथ ही राजीव गौबा, के वी राजू, गोबर्धन दास, अभय करंदीकर और एम श्रीनिवास को पूर्णकालिक सदस्य बनने पर बधाई देता हूं। मैं सभी के सफल और प्रभावी कार्यकाल की कामना करता हूं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि नीति आयोग भारत की नीतिगत संरचना में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरा है, जो सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने, सुधारों को आगे बढ़ाने और जीवन सुगमता को प्रोत्साहित करने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा, "यह विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और दीर्घकालिक रणनीतिक सोच के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है।" प्रधानमंत्री नीति आयोग के चेयरमैन हैं। नियुक्ति के बाद लाहिड़ी ने शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की।

लाहिड़ी चार दशक से अधिक के अनुभव वाले वरिष्ठ अर्थशास्त्री हैं। वह वर्तमान में पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक हैं और भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार तथा 15वें वित्त आयोग के सदस्य रह चुके हैं। वह राज्य में जारी विधानसभा चुनावों में प्रत्याशी नहीं हैं। के वी राजू प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य हैं और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार भी हैं। अभय करंदीकर वर्तमान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव हैं। इससे पहले वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के निदेशक रह चुके हैं। गोबर्धन दास भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल के निदेशक हैं। इससे पहले वह नयी दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'मॉलिक्यूलर मेडिसिन' के विशेष केंद्र में प्रोफेसर और अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। एम श्रीनिवास देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक हैं और शैक्षणिक, प्रशासनिक तथा अनुसंधान क्षेत्रों में तीन दशक से अधिक का अनुभव रखते हैं। नियुक्ति के बाद लाहिड़ी ने शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात कर आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अर्थशास्त्र और सार्वजनिक नीति में उनका व्यापक अनुभव भारत के सुधारों और 'विकसित भारत' की दिशा में यात्रा को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, "मुझे विश्वास है कि उनके प्रयास देश में नीतिनिर्माण को और सशक्त करेंगे। उनके सफल कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।" प्रधानमंत्री ने गोबर्धन दास को भी नीति आयोग का सदस्य बनाए जाने पर बधाई दी और कहा, "आपकी यात्रा, जो अथक परिश्रम और विनम्रता से भरी रही है, सभी के लिए प्रेरणादायक है। सार्वजनिक स्वास्थ्य, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्रों में आपके महत्वपूर्ण योगदान पर पूरे देश को गर्व है। आपके कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।

संक्षिप्त खबरें

दो वाहनों की टक्कर में चालक की मौत

नोएडा। एक्सप्रेसवे थानाक्षेत्र में तेज रफ्तार इको वैन की टक्कर से टैंपो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक का अंतिम संस्कार करने के बाद उसके भाई ने एक्सप्रेसवे थाने में अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। थाने में दी शिकायत में बहराइच के तिवारी पुरवा निवासी रामकुमार तिवारी ने बताया कि उनका भाई शिव कुमार 23 अप्रैल को रात साढ़े नौ बजे के करीब परी चौक से अपने तीन पहिया वाहन पर सामान डिलीवर कर वापस दिल्ली जा रहा था। जब वह एडवांट के सामने पहुंचा, तभी तेज रफ्तार इको वैन ने शिव कुमार की गाड़ी में टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। राहगीरों की मदद से घायल को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान घायल चालक की मौत हो गई। वहीं, घटना के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप और पर्स की चोरी

ग्रेटर नोएडा। अल्फा-2 स्थित आइथम गलेरिया मॉल के पास कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप की चोरी कर ले गई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। सेक्टर-151 निवासी शिवानी सिंह का कहना है कि 22 अप्रैल की रात खरीदारी कर लौटने पर कार का शीशा टूटा मिला। अंदर रखे लैपटॉप, चार्जर और पर्स लेकर चोर भाग गए। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है।

जेवर में संदिग्ध युवक को पुलिस ने दबोचा

यमुना सिटी। जेवर थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान शुक्रवार की रात पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया। उसके पास से चाकू बरामद हुआ है। झुप्पा चौकी क्षेत्र में पुलिस वाहन को देखकर आरोपी युवक तेज कदमों से चलने लगा। शक होने पर पुलिस के रोकने पर वह भागने लगा, जिसके बाद पीछा कर उसे पकड़ा गया। आरोपी की पहचान जेवर थाना क्षेत्र के महदीपुर निवासी मोबिन (44) के रूप में हुई है। उसकी जेब से एक चाकू बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

आईएमएस में आईटी एक्सपो, छात्रों ने दिखाए नवाचार

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा में आईटी एक्सपो का आयोजन किया गया। इसमें एमसीए और बीसीए के छात्रों ने 32 स्टॉल लगाकर अपने तकनीकी प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए। कार्यक्रम का शुभारंभ आईबीएम की सिक्योरिटी प्रोग्राम मैनेजर रितु मित्तल ने किया। एक्सपो में 25 से अधिक आईटी कंपनियों के प्रतिनिधी शामिल हुए। करीब 70 विद्यार्थियों ने नवाचारपूर्ण प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए, जिनकी विशेषज्ञों ने सराहना की। आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम छात्रों को उद्योग से जोड़ने और उनके कौशल विकास में सहायक रहा।

सिक्योरिटी गार्ड ने मजदूरों को लाठी-डंडों से पीटा

दादरी। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र की डाबर कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड व उसके साथियों ने मजदूरों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। इसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना की रिपोर्ट दर्ज की गई है। प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि दादरी कोतवाली क्षेत्र के नंदकुमार, दीपक व अशोक के साथ 22 अप्रैल की रात हाथरस निवासी सिक्योरिटी गार्ड सनी व कुछ अज्ञात लोगों ने मारपीट की। घायल नंदकुमार ने सनी व अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी कराई है।

मारपीट और धमकी देने का लगाया आरोप

यमुना सिटी। जेवर थाना क्षेत्र के गांव नेकपुर में नौ अप्रैल को दो लोगों के बीच एलईडी रखने को लेकर झगड़े में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। पीड़ित ने गाली-गलौज करते हुए जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर मारपीट का आरोप लगाया है। हरी सिंह का कहना है कि मोनू के मेडिकल स्टोर पर एलईडी रखकर वह पानी पीने चला गया। इसी दौरान आरोपी ने उससे बदसलूकी की। पीड़ित का कहना है कि घटना के अगले दिन दो अज्ञात लोगों ने पीड़ित को रिपोर्ट दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी दी। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दुष्कर्म के आरोपी को मिली जमानत

ग्रेटर नोएडा। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, गर्भपात कराने, चोरी और धमकी के मामले में जेल में बंद आरोपी को न्यायालय ने जमानत दी है। आरोपी राजुद्दीन उर्फ राजू मंसूरी के खिलाफ बीटा-2 कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि बच्चों के लिए सामान आदि लाकर आरोपी ने उसका विश्वास जीता था। 14 जनवरी, 2025 को अपने कमरे में बुलाकर आरोपी ने उससे संबंध बनाए। विरोध करने पर शादी का झांसा दिया और उसके साथ पति की तरह रहने लगा। दो बार गर्भपात कराने के बाद 9 सितंबर, 2025 को उसकी अलमारी से 30 हजार रुपये और सोने के आभूषण लेकर वह गायब हो गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को जेल भेजा था, जहां वह 31 मार्च से बंद था।

जेवर चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। बिसरख कोतवाली पुलिस ने कार से जेवर चोरी के आरोप में दो शातिर को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से आभूषण, घटना में प्रयुक्त बाइक और अवैध हथियार बरामद हुए हैं। गोल्फ सिटी सेक्टर-75 निवासी गोपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि 23 अप्रैल की रात ग्रीन आर्च सोसाइटी के सामने उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। सुबह में कार में बैठ रहने के दौरान सोने की चेन व ब्रेसलेट चोरी कर आरोपी भाग गए। कोतवाली प्रभारी कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि ड्रीम वैली सोसाइटी के सामने से गाजियाबाद निवासी रोहित चौहान उर्फ बोबी (23) और सोनू ठाकुर (19) को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

बड़ा अभियान: श्रमिक दिवस पर लगेंगे 201 मेडिकल कैंप

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में 1 मई को श्रमिक दिवस पर आयोजित होने वाले मेगा कैंप को सफल बनाने के लिए उद्यमी संगठनों और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रमिकों के कल्याण, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और अधिकतम लाभ सुनिश्चित कराने पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि श्रमिक दिवस पर जिले में 201 मेडिकल कैंप लगाए जाएंगे। इसके साथ ही सभी सरकारी अस्पतालों और 22 निजी अस्पतालों में श्रमिकों को निरूशुल्क स्वास्थ्य जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मेडिकल कैंपों के साथ विशेष कैंप भी आयोजित होंगे, जिनमें स्वास्थ्य, स्किल डेवलपमेंट, सामाजिक सुरक्षा, लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस तथा बच्चों की शिक्षा से संबंधित जानकारी और लाभ प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 24 अप्रैल से 1 मई तक श्रमिक बहुल क्षेत्रों में लगातार स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि श्रमिकों को उनके आवास और कार्यस्थल के निकट ही गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें और उन्हें अनावश्यक अवकाश न लेना पड़े। जिलाधिकारी ने उद्यमियों से अपील की कि वे अपने प्रतिष्ठानों में कार्यरत श्रमिकों को इन कैंपों के प्रति जागरूक करें और अधिकाधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करें, जिससे शासन की योजनाओं का पूरा लाभ पात्रों तक पहुंच सके।

वहीं बैठक में सेक्टर, जोनल और स्टैटिक मजिस्ट्रेटों सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध और सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि मेडिकल कैंपों में चिकित्सकों की उपलब्धता, दवाएं, जांच सुविधाएं और अन्य संसाधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि श्रमिकों को कार्य से पहले या बाद में ही स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि यह मेगा कैंप केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि श्रमिकों के हितों को सशक्त बनाने का माध्यम है। वर्तमान में प्रशासन द्वारा इसकी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन सुनिश्चित हो सके।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, अपर जिलाधिकारी अतुल कुमार, मंगलेश दुबे, अपर श्रमायुक्त राकेश द्विवेदी, उपायुक्त उद्योग पंकज निर्वाण और नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन सहित अन्य अधिकारी और उद्यमी उपस्थित रहे।

तापमान के साथ अस्पतालों में बढ़े मरीज

ग्रेटर नोएडा। तापमान के साथ अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है। जिम्स में रोजाना 2500 से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें से 250 से अधिक पेट दर्द, उल्टी-दस्त, वायरल बुखार, बेचैनी और गले में खराश के मरीज हैं। डॉक्टरों का कहना है कि तेज गर्मी और लू के कारण शरीर में पानी की कमी और संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। डॉक्टरों ने सलाह दी है कि बिना जरूरी काम के दोपहर के समय घर से बाहर न निकलें, अधिक से अधिक पानी पिएं और हल्का व स्वच्छ भोजन करें। इसके अलावा खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों से बचने और शरीर को हाइड्रेट रखने पर जोर दिया गया है। मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सतीश कुमार का कहना है कि ओपीडी में रोजाना 350 से अधिक मरीज आ रहे हैं। इनमें से 250 से अधिक मरीजों में पेट दर्द, उल्टी, दस्त, वायरल बुखार, बेचैनी और गले में खराश आदि की शिकायत मिल रही है।

युवक को जंगल में ले जाकर पीटा

नोएडा। जंगल में ले जाकर युवक के साथ मारपीट करने के मामले में दो नामजद और कई अज्ञात के खिलाफ सेक्टर-39 थाने में केस दर्ज हुआ है। अगाहपुर निवासी रवि ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार शाम साढ़े छह बजे के करीब वह सेक्टर-49 के पीछे वाले जंगल के पास खड़ा था। इसी दौरान पुष्पेंद्र और सूरज कुछ अज्ञात लोगों के साथ वहां पहुंचे। रवि को बातों में उलझाकर पास के जंगल में ले गए और धक्का मुक्की करने लगे। विरोध करने पर मारपीट की। इस दौरान सिर में गंभीर चोट लगने से शिकायतकर्ता बेहोश हो गया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और रवि को नजदीक के अस्पताल ले गए। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है।

बैठक में श्रमिकों के हितों और सुरक्षा पर हुआ मंथन

नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह ने सेक्टर-108 स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में विभिन्न मल्टीनेशनल कंपनियों के एमडी, सीईओ, एचआर हेड एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की। बैठक में श्रमिकों के हित, सुरक्षा व्यवस्था, कार्यस्थल की परिस्थितियों और आवागमन प्रबंधन जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

गोष्ठी के दौरान औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए पुलिस कमिश्नर ने उनके सुझावों को गंभीरता से सुना और बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल दिया। पुलिस कमिश्नर ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी दरों में 21 प्रतिशत वृद्धि और श्रमिक हित में लिए गए अन्य निर्णयों की जानकारी भी साझा की। उन्होंने श्रमिकों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस बैठक का उद्देश्य औद्योगिक इकाइयों और श्रमिकों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है, ताकि औद्योगिक क्षेत्र में सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहे और सभी पक्षों के हितों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

इस दौरान मल्टीनेशनल कंपनियों के एमडी, सीईओ, एचआर हेड एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को बताया गया कि कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने और श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इस बैठक को श्रमिक हितों की रक्षा और औद्योगिक विकास को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उद्योगों व श्रमिकों के बीच बेहतर समन्वय से ही सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाया जा सकता है।

80 रनों से जीती रॉयल मावेरिक्स-11

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट में चल रहे सेंचुरियन कप सीजन-9 के लीग मैच में रॉयल मावेरिक्स-11 ने ड्रीम विले टाइगर्स को 80 रनों से हराया। मैन ऑफ द मैच गौरव शर्मा ने तीन विकेट चटकाए और 55 रनों की पारी खेली। रॉयल मावेरिक्स-11 ने टी-20 मुकाबले में पांच विकेट के नुकसान पर 226 रन का स्कोर खड़ा किया था जिसके जवाब में विपक्षी टीम के बल्लेबाज 146 रन ही बना सके।

सात विकेट से जीती स्पॉर्टन ग्रेनो

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क-तीन में चल रहे कॉर्पोरेट प्रीमियर लीग सीजन-2 के लीग मैच में स्पॉर्टन ग्रेनो ने फोनिक्स फोर्स को सात विकेट से पराजित किया। रविंद्र भाटी मैन ऑफ द मैच रहे। पहले बल्लेबाजी करते हुए फोनिक्स फोर्स ने टी-20 मुकाबले में छह विकेट पर 118 रन बनाए। जवाब में स्पॉर्टन ग्रेनो की टीम ने तीन विकेट पर 119 रन बनाकर मैच जीत लिया।

सफाई के लिए मशीनों की संख्या बढ़ाएगा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में सड़कों को धूल रहित बनाने की योजना पर काम तेज कर दिया गया है। प्राधिकरण मुख्य सड़कों की साफ-सफाई के लिए मशीनों की संख्या बढ़ाएगा। दो और मशीनों के संचालन और रखरखाव के लिए निविदा जारी की है। एजेंसी का चयन एक साल के लिए किया जाएगा।

संचालन और रखरखाव के लिए निविदा जारी

अधिकारी के मुताबिक वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर को कम करने के लिए प्राधिकरण ने सड़कों को धूल रहित बनाने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत सड़कों के किनारे खाली पड़ी जगह पर घास और छेद युक्त टाइल्स लगेंगे। सड़कों की मशीन से सफाई की व्यवस्था को बेहतर किया जाएगा। सड़कों के किनारे धूल जमा न हो, इसके लिए नियमित रूप से सफाई कराई जाएगी। स्वास्थ्य विभाग अधिकारी के मुताबिक अभी चार मशीनों की मदद से ग्रेटर नोएडा ईस्ट और वेस्ट इलाके में मुख्य सड़कों की सफाई कराई जा रही है। इसकी जिम्मेदारी एक निजी एजेंसी के पास है। ग्रेटर नोएडा ईस्ट और वेस्ट का इलाका काफी बड़ा है, ऐसे में मशीनों की संख्या बढ़ाई जाएगी। अगले महीने 25 मई तक कंपनी का चयन कर लिया जाएगा। इसके बाद सड़कों की सफाई करने वाली मशीनों की संख्या छह हो जाएगी। मशीनें सीसीटीवी कैमरे और जीपीएस सिस्टम से युक्त हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा निगरानी की जा रही है।

ग्रेटर नोएडा के एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्य सड़कों की सफाई के लिए मशीनों की संख्या बढ़ाई जाएगी। दो मशीनों के संचालन और रखरखाव के लिए एजेंसी की तलाश की जा रही है। सड़कों को धूल रहित बनाने के लिए हरियाली बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। इसके लिए पौधरोपण किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा के 12 सेक्टरों में वेंडिंग जोन बनकर तैयार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के 12 आवासीय सेक्टरों में वेंडिंग जोन बनकर तैयार हो गए हैं। इनमें 673 दुकानें यानी शेड बनाए गए हैं। इनके आवंटन के लिए नियम और शर्तें तय कर आवेदन मांगे गए हैं। इच्छुक लोग चार मई तक आवेदन कर सकते हैं। पात्र लोगों को अगले दो से तीन माह में जगह आवंटित कर दी जाएगी। वेंडिंग जोन में बिजली, पेयजल जैसी सभी जरूरी सुविधाएं मिलेंगी। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक अधिसूचित क्षेत्र के भूमिहीन मजदूरों के अलावा दिव्यांगों, महिलाओं, एससी, एसटी, अति पिछड़ा वर्ग को आरक्षण दिया जाएगा। सत्यापन के बाद ड्रॉ के माध्यम से जगह दी जाएगी।

> शहर में पार्किंग और वेंडिंग जोन की व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सेक्टरों में बनकर तैयार वेंडिंग जोन में फुटपाथ विक्रेताओं को जगह उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के भूमिहीन मजदूरों, दिव्यांगों और महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे सेक्टरों के अंदर जाम की समस्या दूर हो जाएगी।
>
> *-रवि कुमार एनजी, सीईओ, ग्रेटर नोएडा*

वेंडिंग जोन में साग सब्जी, फल, फास्ट फूड जैसी जरूरी चीजों के अलावा किताब-कॉपी की दुकानें भी होंगी। फुटपाथ विक्रेता जिस क्षेत्र में ठेली पटरी लगाते हैं, उनको प्राथमिकता के आधार पर उसी सेक्टर के वेंडिंग जोन में जगह दी जाएगी। ग्रेटर नोएडा के अधिसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों के भूमिहीन मजदूरों को 33 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। क्षेत्रफल के हिसाब से 3850, 6050, 2200 3300 और 1650 रुपये मासिक किराया निर्धारित किया गया है। अर्बन सर्विसेज विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक सन्नी यादव ने बताया कि योजना में आवेदन करने वाले लोगों का सत्यापन कर वेंडिंग जोन में जगह उपलब्ध कराई जाएगी। यह प्रक्रिया अगले दो से तीन माह में पूरी कर ली जाएगी। इससे अवैध ठेली पटरी पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

तिगरी में 60 लोगों को आवंटित होगा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के तिगरी में वेंडिंग जोन बनाया जाएगा। इसके लिए परियोजना विभाग ने सर्वेक्षण कर लिया है। यहां पहले से ठेली पटरी लगाने वाले 60 लोगों को जगह आवंटित की जाएगी। लगभग 100 मीटर लंबाई और 15 मीटर चौड़ाई क्षेत्र में दुकानें लगाने के लिए जगह दी जाएगी। यहां जो लोग दुकानें लगा रहे हैं, उन्हीं को जगह आवंटित की जाएगी। इससे व्यवस्था सही होने के साथ अतिक्रमण की समस्या दूर होगी। पार्किंग और वेंडिंग जोन की व्यवस्था भी सुधरेगी।

पुलिस ने अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया, 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली(जनभावना टाइम्स)। उत्तरी जिला पुलिस ने अवैध हथियार निर्माण के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए मुरादाबाद (उप्र) में चल रही एक अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मौके से तीन देशी कट्टे, 12 जिंदा कारतूस और भारी मात्रा में हथियार बनाने का कच्चा माल व उपकरण बरामद किए हैं। उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने शनिवार को बताया कि 21 अप्रैल की शाम वजीराबाद थाना क्षेत्र में यमुना खादर पुस्ता रोड, हनुमान चौक के पास गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों को सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर मोहम्मद अयूब (49) को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से दो देशी कट्टे और 10 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में अयूब ने बताया कि उसने हथियार मुरादाबाद निवासी सोनू से खरीदे थे।

इसके बाद वजीराबाद थाना पुलिस ने तकनीकी निगरानी शुरू की और आरोपित अयूब को साथ लेकर मुरादाबाद पहुंची। 22 अप्रैल को पुलिस ने एक परिसर पर छापा मारकर वहां चल रही अवैध हथियार निर्माण इकाई का खुलासा किया। मौके से इदरीश (60) और शादाब (40) को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि फैक्ट्री में पिछले एक वर्ष से अवैध हथियार बनाए जा रहे थे। पुलिस उपायुक्त के अनुसार मुख्य सरगना सोनू परिसर उपलब्ध कराता था, कच्चा माल मंगवाता था और हथियारों की सप्लाई कराता था। वहीं इदरीश हथियार बनाने में विशेषज्ञ है और पिछले 20-25 वर्षों से इस काम में लगा हुआ था। जबकि शादाब उसका सहयोगी था। दोनों को प्रति हथियार क्रमशः 2,000 और 1,000 रुपये दिए जाते थे। पुलिस ने फैक्ट्री से 14 लंबे तैयार बैरल, छह अधबने देशी कट्टों के ढांचे, बेंच वाइस, भट्टी, ब्लोअर, आयरन मोल्ड, टूल बॉक्स, स्प्रिंग्स सहित बड़ी मात्रा में निर्माण सामग्री बरामद की है। पुलिस के मुताबिक यह सामान करीब 50 से 60 देशी कट्टे तैयार करने के लिए पर्याप्त है, जिससे स्पष्ट है कि यह पूरी तरह सक्रिय अवैध हथियार फैक्ट्री थी। आरोपितों के आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आए हैं। मोहम्मद अयूब पहले हत्या के मामले में शामिल रहा है, जबकि इदरीश पर पूर्व में भी आर्म्स एक्ट और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। पुलिस अब फरार मास्टरमाइंड सोनू की तलाश कर रही है और हथियार सप्लाई नेटवर्क की जांच में जुटी है।

जहांगीर पुरी हत्याकांड में फरार 3 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के जहांगीर पुरी इलाके में 17 वर्षीय किशोर की चाकू गोदकर हत्या के मामले में फरार चल रहे तीन आरोपितों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान शेख इशाक (52), उसके बेटे दिलशाद (29) और इरफान (22) के रूप में हुई है। तीनों जहांगीर पुरी के एच-2 ब्लॉक के रहने वाले हैं और वारदात के बाद लगातार दिल्ली व यूपी के लोनी क्षेत्र में ठिकाने बदलकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहे थे। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने शनिवार को बताया कि पांच अप्रैल की रात जहांगीर पुरी के रामलीला ग्राउंड स्थित रिक्शा पार्किंग के पास 17 वर्षीय किशोर पर कई लोगों ने ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया था। गंभीर हालत में उसके भाई अरमान ने उसे बाबू जगजीवन राम अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही जहांगीर पुरी थाना पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

मृतक के भाई हकीम अली शाह ने पुलिस को बताया था कि पुरानी रंजिश के चलते दिलशाद, इरफान, राजाबुल, इमरान और शेख इशाक ने उसके भाई को घेर लिया था। आरोपितों ने पहले उसे पकड़ा, जमीन पर गिराया और फिर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर हत्या कर दी। इस मामले में स्थानीय पुलिस ने 7 अप्रैल को एक आरोपित और एक किशोर को पकड़ लिया था, जबकि मुख्य आरोपित फरार चल रहे थे। क्राइम ब्रांच की एनआर-दो टीम को फरार आरोपितों की तलाश की जिम्मेदारी दी गई थी। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस टीम ने गाजियाबाद के लोनी स्थित सभापुर अंडरपास के पास दबिश देकर तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली पुलिस का एंटी ड्रग अभियान तेज

खेलों के जरिए युवाओं को दिया नशे से दूर रहने का संदेश

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सप्ताहभर के एंटी ड्रग जागरूकता अभियान 'नशा नॉट कूल' के दूसरे दिन युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेलों का सहारा लिया गया। राजधानी के विभिन्न इलाकों में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर युवाओं को स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।दिल्ली के 9 नशा मुक्ति केंद्रों, कई स्कूलों और झुग्गी-झोपड़ी क्लस्टर क्षेत्रों में रस्साकशी, वॉलीबॉल, आर्म रेसलिंग और दौड़ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों में हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और टीम भावना, अनुशासन तथा खेल भावना का परिचय दिया। दिल्ली पुलिस का कहना है कि खेल युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा देने का बेहतर माध्यम है। इस तरह के आयोजन युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखकर उन्हें फिट, जागरूक और आत्मविश्वासी बनाते हैं।पुलिस ने बताया कि अभियान को सोशल मीडिया, रेडियो और राजधानी के सिनेमा हॉलों में भी व्यापक रूप से प्रचारित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सकें।दिल्ली पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करें और नशामुक्त समाज बनाने में सहयोग दें।

हत्या के प्रयास मामले में घोषित भगोड़ा अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हत्या के प्रयास के एक मामले में भगोड़े अपराधी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान इरफान उर्फ चांद मोहम्मद के रूप में हुई है, जो भलस्वा डेयरी की जेजे कॉलोनी का रहने वाला है। आरोपित नरेला इंडस्ट्रियल एरिया थाना में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में वांछित था और लंबे समय से गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने शनिवार के बताया कि, इरफान के खिलाफ वर्ष 2022 में नरेला इंडसर्ट्रियल एरिया थाने में हत्या के प्रयास की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच और अदालत की कार्यवाही के दौरान आरोपित फरार हो गया तथा बार-बार दबिश के बावजूद पुलिस उसे पकड़ नहीं सकी।

लगातार गैरहाजिर रहने पर अदालत ने 14 मई 2025 को उसे भगोड़ा घोषित किया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार क्राइम ब्रांच की डब्ल्यूआर-1 टीम को आरोपित की तलाश की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि आरोपित दिल्ली क्षेत्र में मौजूद है और एक स्थान से दूसरे स्थान पर छिपकर रह रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार रात जाल बिछाकर आरोपित को दबोचा। पूछताछ में आरोपित ने स्वीकार किया कि अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किए जाने के बाद वह गिरफ्तारी से बचने के लिए दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में अलग-अलग ठिकानों पर छिप रहा था। पुलिस ने उसके खिलाफ बीएनएसएस की संबंधित धाराओं के तहत कलंदरा भी दर्ज किया है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित का आपराधिक रिकॉर्ड पुराना है। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास के अलावा वर्ष 2019 में हरियाणा के फरीदाबाद जीआरपी थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत भी मामला दर्ज है। दोनों मामलों में वह अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित किया जा चुका था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपित एक स्कूल ड्रॉपआउट है और ऑटो चालक का काम करता था। फिलहाल उससे पूछताछ जारी है और उसके अन्य आपराधिक संबंधों व गतिविधियों की भी जांच की जा रही है।

अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़, 80 लाख की हेरोइन बरामद

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। पूर्वी जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में 475 ग्राम स्मैक/हेरोइन (कमर्शियल मात्रा) बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत करीब 80 लाख रुपये बताई जा रही है। इस मामले में तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के दो सप्लायर भी शामिल हैं।पूर्वी जिले के डीसीपी राजीव कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मोहम्मद आरिफ नामक तस्कर गाजीपुर रोड, एनएच-24 के पास स्मैक की सप्लाई देने आने वाला है। सूचना के आधार पर जाल बिछाकर उसे दबोच लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 270 ग्राम स्मैक बरामद हुई। इसके बाद पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।पूछताछ में आरोपी मोहम्मद आरिफ ने खुलासा किया कि

वह यह नशा शाहजहांपुर निवासी अमित और विकास से लेकर दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करता था। इसके बाद पुलिस टीम ने तकनीकी जांच और कई छापेमारियों के बाद दोनों सप्लायरों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से 205 ग्राम स्मैक और बरामद हुई।पुलिस जांच में सामने आया कि मोहम्मद आरिफ खुद स्मैक का सेवन करता था और इसी दौरान उसकी मुलाकात यूपी के सप्लायरों से हुई। बाद में उसने दिल्ली में किराए पर रहकर नशे का कारोबार शुरू कर दिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद आरिफ (40), अमित (22) और विकास (28) के रूप में हुई है। तीनों शादीशुदा हैं। डीसीपी राजीव कुमार ने कहा कि दिल्ली पुलिस नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही है और समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए लगातार अभियान जारी रहेगा।

शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, 3 चोरी के दोपहिया बरामद

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। शाहदरा जिला पुलिस को वाहन चोरी के मामलों में बड़ी सफलता मिली है। थाना फर्श बाजार पुलिस ने एक शातिर और आदतन ऑटो लिफ्टर नीरज उर्फ मोदी उर्फ नोडी उर्फ नॉडी (26) को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तीन चोरी के दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। आरोपी की गिरफ्तारी से वाहन चोरी के चार मामलों का खुलासा हुआ है।शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि स्कूटी चोरी की ऑनलाइन शिकायत दर्ज हुई थी, जिसके बाद थाना थाना फर्श बाजार की टीम ने जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और लोकल इंटेलिजेंस के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। 23 अप्रैल को गुप्त

सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को उस समय दबोच लिया, जब वह चोरी की स्कूटी चला रहा था। पूछताछ में आरोपी ने तीन अन्य वाहन चोरी की वारदातों में शामिल होने की बात कबूल की। उसकी निशानदेही पर एमसीडी पार्क से दो और चोरी के वाहन बरामद किए गए। बरामद वाहनों में एक यामाहा स्कूटी, एक हीरो एक्सट्रीम 125आर और एक होंडा एक्टिवा शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पहले भी वाहन चोरी और घरों में चोरी के 12 मामलों में शामिल रह चुका है। फिलहाल पुलिस उससे आगे पूछताछ कर अन्य मामलों की जांच कर रही है।

एक्सीलेंस अवाड्र्स में महिला उद्यमियों ने डाली अपनी प्रेरणादायक यात्रा पर रोशनी

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। वूमेन हू विन फाउंडेशन द्वारा महिला एक्सीलेंस एवार्ड का आयोजन किया गया। इसमें विजयी महिलाओं ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में किया गया। कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक, उद्योग जगत प्रसिद्ध लोग और बदलाव लाने वाले लोग एक छत के नीचे जमा हुए। आयोजन में कई श्रेणियों में पुरस्कार दिया गया। जैसे 'सस्टेनेबल ब्रांड एंटरप्रेन्योर', 'इमर्जिंग वुमन एंटरप्रेन्योर', 'एक्सीलेंस एट 60' और 'एक्सीलेंस इन सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी'। इन पुरस्कारों के माध्यम से विभिन्न शैक्षिक और पेशेवर पृष्ठभूमि तथा अलग-अलग आयु वर्ग की महिलाओं की प्रेरणादायक कहानियों को उजागर किया गया। कुल 36 सम्मानों में से प्रत्येक, पुरस्कार पाने वाली महिलाओं के दृढ़ संकल्प, साहस और उत्कृष्टता की खोज का एक सशक्त प्रमाण था।

मारवाह स्टूडियोज के संस्थापक डॉ. संदीप मारवाह ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर रही हैं। ऐसे मंच और कार्यक्रम न केवल उनके कौशल और उपलब्धियों को मान्यता देते हैं, बल्कि उन्हें सशक्त बनाने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सशक्त जज़्बे पर टिप्पणी करते हुए वूमेन हू विन' की संस्थापक सिम्मी भसीन ने कहा यह अवार्ड कार्यक्रम पूरी तरह से एक उत्सव था। उन महिला उद्यमियों की उत्कृष्टता का उत्सव, जो लगातार पुरानी रीतियों को चुनौती देती हैं, अपने पेशेवर सफ़र में साहसी कदम उठाती हैं और एक गहरा प्रभाव छोड़ती हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने महिलाओं का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में उपस्थित वैश्विक प्रवासन नीति सलाहकार मीरा सेठी; जीफोरएस में राजनयिक मिशन और संयुक्त राष्ट्र की उपाध्यक्ष तथा भारत में सीआरएम प्रमुख बंदना सिंह; लेखिका, शिक्षाविद् और प्रेरक वक्ता गीतिका लिद्दर; परोपकारी विनाती मिश्रा; अलमा कैफै की सह-संस्थापक बोगुसिया ढींगरा; फैशन स्टाइलिस्ट सेतु कुमार; पीआर गुरु डॉ. सुरेश गौर; लक्जरी सलाहकार माधवी अडवाणी; अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माता विंकी सिंह; और सामाजिक उद्यमी उर्वशी मित्तल शामिल थीं।

इंस्टाग्राम और 700 सीसीटीवी की मदद से महाराष्ट्र से बरामद हुए दो लापता किशोर

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी थाना पुलिस ने 'ऑपरेशन मिलाप' के तहत दो लापता नाबालिग लड़कों को महाराष्ट्र से सकुशल खोजकर परिवार से मिलवाया है। दोनों किशोर कक्षा 9 के परीक्षा परिणाम को लेकर अभिभावकों की डांट के डर से घर छोड़कर भाग गए थे। पुलिस ने तकनीकी निगरानी, सोशल मीडिया ट्रैकिंग और 700 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद उन्हें खोज निकाला। पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को बताया कि 30 मार्च को कल्याणपुरी थाने में प्रमोद ठाकुर ने अपने नाबालिग बेटे के लापता होने की शिकायत दी। लगभग उसी समय भावना नामक महिला ने अपने भाई के भी इसी तरह गायब होने की सूचना पुलिस को दी। दोनों मामलों में एफआईआर संख्या 102/26 और 103/26 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

संजय सिंह ने केजरीवाल के आवास की तस्वीरों को बताया फर्जी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा अरविंद केजरीवाल की जारी कथित तस्वीरों को "फर्जी और बेबुनियाद" बताया। उन्होंने कहा कि जो तस्वीरें केजरीवाल के आवास से जुड़ी बताई जा रही हैं, जो फर्जी हैं। संजय सिंह ने पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि भाजपा द्वारा जारी की गई सभी तस्वीरें झूठी हैं और इनका मकसद केजरीवाल की छवि खराब करना है। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार या कोई भी टीवी चैनल यदि ऐसी तस्वीरें प्रसारित करता है तो आआपा उसके खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराएगी। सिंह ने मांग की कि उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्रियों के आवास भी जनता के लिए खोले जाएं, साथ ही केजरीवाल का घर भी जनता के लिए खोला जाए, ताकि लोग खुद जाकर सच्चाई देख सकें।

Ministry of Culture
Government of India

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)

सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना – 2026-27

सीसीआरटी विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों जैसे कि संगीत, नृत्य, नाटक, चित्रकला, मूर्तिकला, शिल्पकला और साहित्यिक कला के परंपरागत रूपों में ऐसे दुलर्भ कला रूपों पर विशेष जोर देते हुए जो विलुप्त होने के कगार पर हैं, विशिष्ट प्रशिक्षण दिलाने के लिए या तो मान्यताप्राप्त स्कूलों में पढ़ाई कर रहे अथवा परंपरागत प्रदर्शन कलाओं से जुड़े परिवारों के 10 से 14 वर्ष के आयु वर्ग में (अंतिम पात्रता तिथियों के अनुसार) चयनित उत्कृष्ट प्रतिभासंपन्न बच्चों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना लागू करता है। इस योजना के अंतर्गत प्रदान की गई छात्रवृत्ति एक बार में दो वर्ष के लिए होती है जो शिक्षा की प्रथम विश्वविद्यालय डिग्री चरण या 20 वर्ष की आयु पूरी होने तक, जो भी पहले हो, छात्रवृत्तिधारक के संतोषजनक प्रगति बनाए रखने की शर्त के साथ प्रत्येक दो वर्ष के बाद नवीकरणीय होती है। नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार प्रत्येक वर्ष 650 छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं :

सामान्य श्रेणी और अन्य के लिए छात्रवृत्तियां 375	पंरपरागत कलाकार परिवारों के लिए 125 छात्रवृत्तियां
जनजातीय संस्कृति /अनुसूचित जनजाति के लिए 100 छात्रवृत्तियां	अलग रूप से सक्षम (दिव्यांग) बच्चों के लिए 20 छात्रवृत्तियां
सृजनात्मक लेखन/साहित्यिक कलाओं के लिए 30 छात्रवृत्तियां	

छात्रवृत्ति का मूल्य रुपए 3600/- (रुपए तीन हजार छह सौ मात्र) प्रति वर्ष है और विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए रुपए 9000/-(रुपए नौ हजार मात्र) प्रति तक वास्तविक शिक्षण शुल्क का भी भुगतान किया जाता है। जिन बच्चों की जन्म –तिथि **01-07-2012 और 30-06-2016** (दोनों तिथियां शामिल हैं) के बीच है वे वर्ष 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने के पात्र हैं। आवेदन –पत्र और अन्य ब्यौरे सीसीआरटी की वेबसाइट-www.ccrtindia.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं या निम्नलिखित में से किसी भी पते से स्वयं /डाक द्वारा मुफ्त प्राप्त किए जा सकते है:

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र, 15 ए, सैक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075, दूरभाष - 011-28040013, ई-मेल -ddsch.ccrt@nic.in, वेबसाइट - www.ccrtindia.gov.in	**सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, 1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं.64, समीप गूगल ऑफिस, माधापुर, हैदराबाद - 500 084, दूरभाष - 040-23117050 एवं 23111910, ई-मेल - rchyd.ccrt@nic.in**
सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हवाला खुर्द, बड़गावँ, उदयपुर, राजस्थान-313001, दूरभाष - 0294-2430764, टैलीफैक्स - 0294-2430771 , ई-मेल - rcud.ccrt@nic.in	**सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, 58, जूरी पार, पंजाबाड़ी रोड, गुवाहाटी – 781037, असम, दूरभाष - 0361-2330152 , टैलीफैक्स - 0361-2335316 , ई-मेल - rcgwt.ccrt@nic.in**
सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग, दमोह, मध्य प्रदेश-470661, दूरभाष - 07812-299187, ई-मेल - rcdamoh-ccrt@gov.in	

संगत दस्तावेजों के साथ विधिवत भरा हुआ आवेदन पत्र रविवार **31 मई 2026 को या इससे पहले सीसीआरटी, नई दिल्ली -110075 में पहुँच जाना चाहिए। डाक में किसी भी विलंब के लिए सीसीआरटी जिम्मेदार नहीं होगा और अंतिम तारीख के बाद प्राप्त आवेदन -पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।**

cbc 09127/11/0001/2627

संपादकीय

आप को जोर का छटका धीरे से

शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के कुल 7 राज्यसभा सांसदों- राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता ने पार्टी से इस्तीफा देते हुए बीजेपी में विलय कर लिया। राघव चड्ढा ने बीजेपी में विलय करने से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की और इस दौरान उन्होंने आप पर जमकर हमला बोला। आम आदमी पार्टी के लिए यह साधारण बात नहीं है। पार्टी के सांसदों की संख्या अचानक उच्च सदन में घटकर तीन रह जाएगी। अभी तक आम आदमी पार्टी की राज्यसभा में 10 सांसद थे। अब इनकी संख्या तीन रह जाएगी। दूसरी ओर भाजपा के राज्यसभा में सांसदों की संख्या 113 पहुंच गई है। इससे न सिर्फ भाजपा का संसद में मजबूत हुई है बल्कि उसे एक तीर से दो निशाने किए है। इसका नमूना राघव चड्ढा के पार्टी छोड़नें के फौरन बाद देखने को मिला। पार्टी छोड़ने की घोषणा वाली प्रेस कांफ्रेंस के तुरंत बाद राघव चड्ढा संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने बीजेपी दफ्तर जाकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकत की और अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर लिया। चुनावी माहौल में आम आदमी पार्टी का टूटना राजनैतिक रूप से कई संकेत देता है। इस समय पांच राज्यों के चुनाव हो रहे है। पश्चिम बंगाल, तामिलनाडु, केरलम असम एवं पुडुचेरी में चुनाव है। इनमें असम केरलम और पुडुचेरी में चुनाव संपन्न हो चुके है। बंगाल में एक चरण का चुनाव हुआ है। दूसरे चरण का चुनाव वहां 29 अप्रैल को होना है। 4 मई को पांचों राज्य के चुनाव परिणाम आने है। चुनावों के ऐन बीच में भाजपा का यह दांव राजनैतिक पंडितों को प्रभावित किए बिना नहीं रह सकता। राष्ट्रीय दल का दर्जा प्राप्त आम आदमी पार्टी को तोड़ना कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे दलों के लिए संकेत है। भाजपा यह जताने की कोशिश में लगी हुई है कि उसके लिए कोई काम किठन नहीं है। भाजपा ने आम आदमी पार्टी के जिन नेताओं को तोड़ा है। वह पार्टी के आधार स्तंभ हुआ करते थे। राघव चड्ढा जैसे नेता तो पार्टी की अंग्रिम पाक्ति में शामिल रहे है। आने वाले दिनों में भाजपा इस तरह के और प्रयोग कर सकता है। इसके लिए वह अपने की कांटे दुरुस्त कर चुकी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितीन नबीन के लिए भी यह काफी उपलिब्ण भरी खबर रही जिसमें उन्होंने अपनी प्रतिद्वंदी पार्टी को तोड़ने में कामयाबी हासिल की है। आने वाले दिनों भाजपा को महिला आरक्षण बिल संसद में पास कराना खासकर बिल को पास करने के लिए दोनों सदनों में आवश्यक संख्या जुटाना भी पार्टी का प्रमुख लक्ष्य रहा है। इस घटनाक्रम से पार्टी को काफी हद तक कामयाबी मिली है।

मौजूदा दौर में भारत-दक्षिण कोरिया संबंध

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। राजनयिक स्तर पर भारत और दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में लगातार प्रगति हुई है। वर्ष 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया और बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देश एक-दूसरे को दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। उच्च स्तरीय यात्राएँ, विदेश मंत्री स्तर की बैठकें, व्यापारिक संवाद और रक्षा वार्ताएँ इन संबंधों को लगातार मजबूत कर रही हैं।

- डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध आज के वैश्विक दौर में नई अहमियत प्राप्त कर रहे हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और क्षेत्रीय शांति के समर्थक हैं। एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए।

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। राजनयिक स्तर पर भारत और दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में लगातार प्रगति हुई है। वर्ष 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया और बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देश एक-दूसरे को दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। उच्च स्तरीय यात्राएँ, विदेश मंत्री स्तर की बैठकें, व्यापारिक संवाद और रक्षा वार्ताएँ इन संबंधों को लगातार मजबूत कर रही हैं। आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण कोरिया भारत के लिए महत्त्वपूर्ण साझेदार है। दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है, जबकि भारत विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों में बढ़ा है और लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। हालांकि यह क्षमता की तुलना में अभी भी कम है। भारत का दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार घाटा भी चिंता का विषय बना हुआ है।

दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनियाँ भारत में लंबे समय से निवेश कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल निर्माण, स्टील, शिप बिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियों की मजबूत उपस्थिति है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया का निवेश अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। "मेक इन इंडिया", "डिजिटल इंडिया", "स्टार्टअप इंडिया" और "ग्रीन एनर्जी" जैसे अभियानों में कोरियाई तकनीक तथा पूंजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इन सबके बीच कुछ चुनौतियाँ भी हैं। वर्ष 2010 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता यानी सीईपीए लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापार को गति देना था लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं आए। गैर-टैरिफ बाधाएँ, गुणवत्ता मानकों से जुड़े नियम, जटिल नियामक प्रक्रियाएँ, लॉजिस्टिक समस्याएँ और बाजार पहुँच की कठिनाइयाँ व्यापार वृद्धि में रुकावट बनती रही हैं। भारत को अपने निर्यात में विविधता लानी होगी, जबकि दक्षिण कोरिया को भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने होंगे। आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़े बदलाव हो रहे हैं। कंपनियाँ केवल चीन पर निर्भरता कम करना चाहती हैं और नए उत्पादन केंद्र खोज रही हैं। यह स्थिति भारत और दक्षिण कोरिया दोनों के लिए अवसर लेकर आई है। दक्षिण कोरियाई कंपनियाँ यदि भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र स्थापित करती हैं तो उन्हें विशाल बाजार, सस्ती श्रमशक्ति और रणनीतिक स्थिति का लाभ मिलेगा। वहीं, भारत को तकनीक, रोजगार और निर्यात क्षमता में वृद्धि प्राप्त होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बैटरी निर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा उत्पादन और जहाज निर्माण ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ सहयोग तेजी से बढ़ सकता है। रणनीतिक दृष्टि से भी दोनों देशों का सहयोग अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र, खुला और समावेशी व्यवस्था का समर्थन करता है। दक्षिण कोरिया भी क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा का समर्थक है। चीन की आक्रामक नीतियाँ, समुद्री मार्गों पर दबाव और क्षेत्रीय तनाव ने कई देशों को नए साझेदार खोजने पर मजबूर किया है। भारत और दक्षिण कोरिया इस संदर्भ में स्वाभाविक सहयोगी बन सकते हैं।

हालाँकि दक्षिण कोरिया की सुरक्षा प्राथमिकताएँ थोड़ी अलग हैं। उसका प्रमुख ध्यान उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे और अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन पर केंद्रित रहा है। दूसरी ओर भारत की चिंताएँ चीन, हिंद महासागर, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़ी हैं। फिर भी दोनों देशों के हित कई क्षेत्रों में समान हैं। रक्षा उद्योग सहयोग, साइबर सुरक्षा, समुद्री निगरानी, आतंकवाद विरोधी प्रयास और नई सैन्य तकनीकों में संयुक्त कार्य किया जा सकता है। रक्षा क्षेत्र में दक्षिण कोरिया ने विश्व स्तर पर मजबूत पहचान बनाई है। उसके पास आधुनिक रक्षा उत्पादन क्षमता है। भारत यदि संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तांतरण और अनुसंधान सहयोग पर जोर दे तो दोनों देशों को लाभ हो सकता है। भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकती हैं। तकनीक आज अंतरराष्ट्रीय संबंधों का सबसे महत्त्वपूर्ण आधार बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5G, 6G, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डिजिटल नवाचार भविष्य की अर्थव्यवस्था तय करेंगे। दक्षिण कोरिया इन क्षेत्रों में अग्रणी देशों में शामिल है, जबकि भारत डिजिटल प्रतिभा, सॉफ्टवेयर क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम के कारण तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि दोनों देश "डिजिटल ब्रिज" बनाकर साथ काम करें तो एशिया में तकनीकी नेतृत्व का नया मॉडल सामने आ सकता है। शिक्षा और मानव संसाधन सहयोग भी संबंधों को मजबूत कर सकता है। भारतीय छात्र दक्षिण कोरिया में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। वहीं, कोरियाई छात्र भारत की संस्कृति, इतिहास, योग, आयुर्वेद, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी, छात्रवृत्तियाँ और संयुक्त शोध कार्यक्रम भविष्य में मजबूत आधार बन सकते हैं। सांस्कृतिक स्तर पर दोनों देशों के बीच लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। भारत में कोरियाई संगीत, फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। वहीं, दक्षिण कोरिया में भारतीय योग, भोजन, नृत्य और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति रुचि देखी जा रही है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव केवल मनोरंजन नहीं बल्कि लोगों के बीच विश्वास और समझ को बढ़ाने का माध्यम है। पर्यटन, सांस्कृतिक उत्सव, भाषा शिक्षा और मीडिया सहयोग से यह रिश्ता और गहरा हो सकता है। भविष्य की दृष्टि से भारत और दक्षिण कोरिया को केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। व्यापार लक्ष्य स्पष्ट हों, निवेश प्रक्रियाएँ सरल हों, नई तकनीकों पर संयुक्त मिशन बनें, रक्षा उद्योग सहयोग बढ़े और युवाओं के बीच सीधा संपर्क मजबूत किया जाए। साल 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर से अधिक ले जाने का लक्ष्य व्यावहारिक रूप से संभव है, यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और नीतिगत स्पष्टता दिखाई जाए।

कमजोर मानसून और आपदा प्रबंधन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

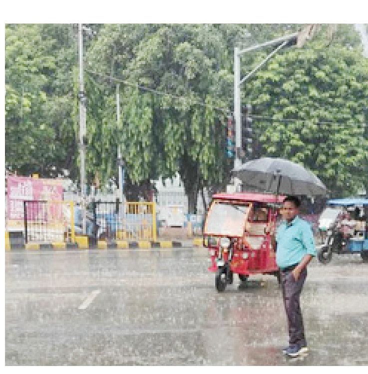

आगामी मानसून को लेकर पहला पूर्वानुमान जारी करने के साथ मौसम विभाग ने आने वाले मानसून सत्र में सामान्य से कम बरसात के संकेत दिए हैं। हालांकि मानसून पूर्वानुमान अभी और जारी किये जाएंगे पर यह आरंभिक सूचना आने वाले समय के लिए गंभीर संकेत है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार सामान्य से 8 फीसदी तक कम बरसात की संभावना जताई गई है। देश के कई हिस्सों में कम बरसात के संकेत हैं तो कुछ हिस्सों में सामान्य बरसात हो सकती है। माना जा रहा है कि अलनीनो इफेक्ट के चलते मानसून कमजोर रहेगा।

यह सही है कि हमारे मौसम मंत्रालय द्वारा जारी पूर्वानुमान काफी हद तक आसपास रहने लगे हैं। यहां तक कि दो से तीन घंटों में बरसात होने या आंधी-तूफान या ओलावृष्टि तक के पूर्वानुमान खरे उतरने लगे हैं। ऐसे में मौसम विभाग के पूर्वानुमानों को गंभीरता से लेते हुए केन्द्र व राज्यों की सरकारों को अभी से पूर्व तैयारियां करने में जुट जाना चाहिए। खासतौर से आपदा प्रबंधन मंत्रालय को अभी से भावी रणनीति तय करनी होगी। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है जिसके अनुमानों के अनुसार 81 सेमी तक रहने की आशंका है। पूर्वानुमानों को मानें तो साल 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी, उसके बाद के वर्षों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले आठ वर्षों में मानसून की स्थिति देखें तो साल 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसपास व इससे अधिक रही है।

हमारे देश में मानसूनी बरसात पर निर्भरता अधिक है। जहां खेती में मानसूनी बरसात की निर्भरता बहुत अधिक है तो दूसरी ओर पेयजल को लेकर भी मानसून पर निर्भरता अधिक है। जलाशयों में पानी के भण्डारण और भूजल स्तर भी बरसाती पानी पर निर्भर है। हमारी खेती मुख्यतः मानसून पर निर्भर है। सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता में कमी के कारण मानसून पर खेती 55 से 64 प्रतिशत निर्भर है। पीने के पानी की समस्या भी कमजोर मानसून से प्रभावित होती है। हमारे यहां मानसून की अवधि जून से सितंबर तक रहती है। अब सवाल उठता है कि पिछले वर्षों में मानसून सामान्य से अच्छा रहने के बावजूद कमजोर मानसून की स्थिति से निपटने में हमारी तैयारी अच्छी नहीं मानी जा सकती। अत्यधिक भूजल दोहन और जल संचयन की दीर्घकालिक नीति के अभाव में ठोस परिणाम प्राप्त नहीं हो पाये हैं। ऐसा नहीं है कि नीति नहीं बनती हो या ऐसा भी नहीं है कि जल संचयन के प्रयास नहीं होते हों पर जो परिणाम देखने में आए हैं वह कोई आशाजनक नहीं माने जा सकते। पानी के विवेकपूर्ण उपयोग की बात हमारे यहां बेमानी है। प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण व संधारण में भी हम कुछ अधिक नहीं कर पाये हैं। इसके अलावा दुर्भाग्यजनक बात यह है कि तात्कालिक प्रयास होते हैं। शहरीकरण की आड़ में प्राकृतिक जल स्त्रोत या तो नष्ट हो गए हैं या उनमें बरसात के पानी जाने के रास्ते अवरुद्ध या बंद हो गए हैं। नदी नालों के रास्ते या तो बंद हो गए हैं या अवरुद्ध हो गए हैं। बरसात के पानी के जलाशयों व रास्तों में अनधिकृत कब्जे, निर्माण और रिसोर्ट बना दिए है। एक समय ऐसा भी आया कि जब विशेषज्ञों ने बरसात के पानी जाने के रास्तों में जगह-जगह एनिकट बनाने की सलाह दे डाली और छोटे-छोटे एनिकट बनने से नदियों-जलाशयों में पानी की आवक प्रभावित हो गई। इससे तात्कालिक यानी एनिकटों में पहले पानी एकत्र तो हुआ पर बाद में इनका रखरखाव नहीं होने से दोहरा नुकसान हुआ। इसी तरह वर्षा जल संचयन के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए सरकार ने अरबों रुपये खर्च किये पर उनके निर्माण के आंकड़े पूरे करने के चक्कर में हम भूल गए कि बरसात के पानी इनमें कितना व कैसे जा पाएगा। फिर बरसात से पहले इनकी देखरेख पर भी ध्यान नहीं देने से जो परिणाम मिलने चाहिए थे वे नहीं मिल सके हैं। हमारे दैनिक उपभोग में भी पानी का उपयोग काफी बढ़ा है। आज पेयजल से कई गुणा अधिक पानी टॉयलेट और कूलरों में उपयोग होने लगा है। समय रहते टॉयलेट में कम पानी के उपयोग की कोई राह निकाली जाती तो हालात में सुधार होता। इसी तरह देशभर में वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाने का अभियान चला पर इनके परिणाम भी ज्यादा अच्छे नहीं देखे जा रहे। रिसाइकिल पानी को लेकर भी कोई स्पष्ट नीति तय हो तो कुछ हद तक समाधान हो सकता है। कमजोर मानसून के हालात से निपटने की कार्ययोजना हमें अभी से बनानी होगी। मौसम विभाग ने अप्रैल में यह चेतावनी दे दी है। मानसून जून में आएगा। ऐसे में अभी मई का महीना हमारे पास है। अभी से सरकार को कमर कसनी होगी। कमजोर मानसून के हालात में हमें कम पानी से अधिक बेहतर हालात बनाने के प्रयास करने होंगे। इसके लिए जहां पानी की एक-एक बूंद को सहेजने की रणनीति तैयार करनी होगी, वहीं कृषि मंत्रालय को खरीफ के लिए इस तरह की रणनीति बनानी होगी जिसमें कम पानी के उपयोग से बेहतर फसल तैयार होने वाली फसलों और किस्मों के लिए किसानों को प्रेरित हो सके। खेती किसानी भी प्रभावित ना हो और पैदावार भी अच्छी हो इसकी रणनीति बनानी होगी। अधिक पानी की आवश्यकता वाली फसलों की खेती ना करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना होगा। इसी तरह जलाशयों, बांधों में उपलब्ध पानी का प्रबंधन योजनाबद्ध तरीके से करना होगा। अभी से आमजन को पानी के अपव्यय को रोकने के लिए प्रेरित करना होगा।

कहने का अर्थ है कि जब आने वाले हालात की तस्वीर हमारे सामने कमोबेश आ चुकी है तो समय रहते इस तरह की रणनीति बनानी होगी ताकि कमजोर मानसून में भी हमारी जल प्रबंधन क्षमता बेहतर रह सके। आपदा प्रबंधन मंत्रालय को अभी से संबंधित मंत्रालयों, खासतौर से कृषि, जल आपूर्ति करने वाले विभागों, बांधों एवं जलाशयों का प्रबंधन करने वाले विभागों, जल संसाधन विभागों से समन्वय बनाकर रणनीति तैयार करनी होगी। इसके साथ ही आमजन को भी पानी के उपयोग को लेकर अधिक सजग और जिम्मेदार नागरिक के रुप में भूमिका निभानी होगी।

सभी प्राणी में समाया ओज है राम

भगवान राम ने दशरथ और कौशल्या के यहां जन्म लिया था। दशरथ का अर्थ है दस रथ। दस रथ पांच ज्ञान इंद्रियों और पांच कर्म इंद्रियों का प्रतीक है। कौशल्या का अर्थ है कौशल। यानी दस रथों को कुशलतापूर्वक नियंत्रित करने के लिए राम का जन्म होता है। रा का अर्थ है रोशनी, रश्मि और म का अर्थ है मैं रेज और रेडियंस जैसे अंग्रेजी शब्दों की उत्पत्ति राम से हुई है। राम का अर्थ है मेरे भीतर का प्रकाश, मेरे दिल के भीतर का प्रकाश। आप के भीतर का ओज ही राम है। इस सृष्टि के कण-कण में और हर प्राणी में समाया जो ओज है वही राम है। भगवान राम अपनी सत्यनिष्ठा के लिए जाने जाते हैं, उनको मर्यादा पुरुषोत्तम और एक आदर्श राजा माना जाता है। महात्मा गांधी ने एक बार कहा था कि यदि तुम मुझ से सब कुछ छीन लो तो मैं जी सकता हूं। लेकिन यदि तुम मुझसे राम को दूर ले जाओगे तो मैं नहीं रह सकता। भगवान राम ने दशरथ और कौशल्या के यहां जन्म लिया था। दशरथ का अर्थ है दस रथ। दस रथ पांच ज्ञान इंद्रियों और पांच कर्म इंद्रियों का प्रतीक है. कौशल्या का अर्थ है कौशल यानी दस रथों को कुशलतापूर्वक नियंत्रित करने के लिए राम का जन्म होता है। पांच ज्ञान इंद्रियों और कर्म इंद्रियों के कुशल प्रयोग से भीतरी ओज प्रकट होता है। राम का जन्म अयोध्या में हुआ, जिसका अर्थ है जहां कोई युद्ध नहीं हो सकता। जब मन में कोई विवाद नहीं होता है, तब प्रकाश का उदय होता है। बस इतना जान लो कि तुम ओजवान हो। यह पूरी सृष्टि पांच तत्वों और दस इंद्रियों से बनी हुई है। क्या अधिक महत्वपूर्ण है विषय वस्तु या ज्ञान इंद्रियां? विषय वस्तुओं की तुलना में ज्ञान इंद्रियां अधिक महत्वपूर्ण हैं। तुहारी आंखें टीवी से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। कान संगीत या ध्वनि की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हैं। कई लोग यह समझ नहीं पाते हैं, वे समझते हैं कि वस्तु इंद्रियों से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। वे जानते हैं कि बहुत ज्यादा टीवी देखना आंखों के लिए अच्छा नहीं है। तो मन की गति को कैसे रोका जाए। इसका उत्तर है ध्यान और श्वास प्रक्रियाएं। इससे लोगों को परमानन्द का अनुभव मिल सकता है। परमानन्द में रहना पूर्ण विश्राम है। इससे अच्छा स्वास्थ्य मिलने के साथ ही तुहारे मन, बुद्धि, भावनाएं और भीतर के आकाश की शुद्धि होती है। उस आकाश की जो तुहारे जीवन को संचालित करता है। तुहारे सभी विचार और भावना इसी आकाश से उभरते हैं जिसकी तुम एक कठपुतली हो। जब तुहारी भावनाएं उभरने लगती हैं तो तुम अपनी ही भावनाओं के शिकार हो जाते हो। अगर तुहारी विचारशैली पक्षपातपूर्ण है तो तुहारा व्यवहार भी वैसा ही हो जाता है।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1654 - यहूदियों को ब्राजील से निकाला गया।
1755 - रूस का पहला विश्वविद्यालय राजधानी मॉस्को में खोला गया।
1828 - यूनान की आजादी के समर्थन में रूस की तुर्की के खिलाफ युद्ध की घोषणा।
1903 - गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में वकालत शुरू की और वहां ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना की।
1959 - क्यूबा ने पनामा पर आक्रमण किया।
1962 - पहली बार अमेरिकी अंतरिक्ष यान ने चांद की सतह को छुआ।
1975 - सिक्किम भारत का 22वां राज्य बना।
1986 - तत्कालीन सोवियत संघ के यूक्रेन प्रांत के चेरनोबिल में परमाणु हादसा हुआ,जिससे बड़ी मात्रा में रेडियोधर्मी विकिरण हुआ।
1999 - नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री तथा नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष मनमोहन अधिकारी का निधन।
2004 - ईराक के नये झंडे को मान्यता मिली।
2006 - भारत और उज़बेकिस्तान ने 6 समझौतों पर हस्ताक्षर किए।
2007 - जापानी कंपनी सोनी ने भारत में वर्ष 2010 तक 2 अरब डॉलर का व्यापार लक्ष्य रखा।
2008 - प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जम्मू-कश्मीर में बना 390 मेगावाट का दुलहस्ती हाइडल पावर प्रोजेक्ट देश को समर्पित किया।
2008 - अमेरिका ने भारत के साथ किये गए 123 समझौते में किसी भी परिवर्तन की सम्भावना से इन्कार किया।
2010 - बिहार सरकार ने बिहार के प्रसिद्ध चिनिया केले की ब्रांडिंग 'गंगा केला'के रूप में करने का फैसला किया।

जन्म

1892 - कृष्ण चन्द्र गजपति - भारत के स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे।
1908 - सर्व मित्र सिकरी - भारत के भूतपूर्व 13वें मुख्य न्यायाधीश थे।
1942 - मीनू मुमताज - भारतीय अभिनेत्री थीं।
1987 - नितिन बोस - प्रसिद्ध फ़िल्म निर्देशक, छायाकार और लेखक।

निधन

1982 - मलयज- प्रतिष्ठित कवि और आलोचक
1987 - शंकर- प्रसिद्ध संगीतकार (शंकर जयकिशन)

पश्चिमी बंगाल की बंपर वोटिंग रचेगी नया इतिहास

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के अब तक के संवैधानिक इतिहास में पहली बार किसी राज्य का चुनाव मतदान है जिसमें इतना बंपर तादाद में मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल कर नया रिकार्ड बनाने की पहल की है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की जनता ने इस बार बंपर मतदान किया है, जो राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। पहले चरण में 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। जब लगभग नब्बे प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो यह स्पष्ट संकेत देता है कि जनता केवल दर्शक नहीं रहना चाहती,जनता जागरूक हो चुकी है बल्कि सत्ता के गठन में सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है।

ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि इस बंपर वोटिंग के मायने क्या है और क्यों तृणमूल कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी दोनों ही अपनी-अपनी जीत के दावे कर रही हैं। इन सबके बीच सबसे पहले, इतने बड़े पैमाने पर मतदान को लोकतंत्र की मजबूती के रूप में देखा जाना चाहिए। अक्सर यह धारणा रही है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम रहता है और ग्रामीण इलाकों में अपेक्षाकृत अधिक, लेकिन इस बार जिस तरह से हर वर्ग महिला, युवा, बुजुर्ग ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वह एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। यह दर्शाता है कि लोगों में अपने अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। खासकर महिलाओं को बड़ी भागीदारी यह संकेत देती है कि वे अब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों में भी अपनी भूमिका मजबूत कर रही हैं। सबसे बड़ी बात है कि इस बार का चुनाव पूर्व में बंगाल में हुए चुनावों के मुकाबले हिंसा कम हुआ है।

बंगाल में चुनावी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है। हालांकि यह भी सच है कि मुर्शिदाबाद के नौदा और बीरभूम के खैराशोल जैसे क्षेत्रों में हिंसा और और ईवीएम ईवीएम से से जुड़ी शिकायतों कायतों ने ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। झड़पें, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं यह बताती हैं कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब भी कई जगहों पर असहिष्णुता में बदल जाती है। चुनाव आयोग और प्रशासन की जिश्वमेदारी है कि ऐसी घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई कर भरोसा कायम रखें। नौदा में हुमायूं कबीर द्वारा लगाए गए आरोप और खैराशोल में ईवीएम गड़बड़ी की शिकायतें केवल स्थानीय घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वे उस व्यापक चुनौती की ओर इशारा करती हैं, जिसमें निष्पक्षता और पारदर्शिता को लगातार परखा जाता है। लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विश्वास की एक सतत प्रक्रिया है, जिसे बनाए रखना सभी संस्थाओं की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि इस बार केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस की तैनाती ने कई संभावित बड़ी घटनाओं को रोका है। इसी तरह बीरभूम के खैराशोल और अन्य इलाकों में ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों के बाद जो हिंसक झड़पें हुईं, वे तकनीकी विश्वास के संकट को सामने लाती हैं। जब मतदाता यह महसूस करने लगते हैं कि उनका बोट सही जगह नहीं जा रहा है, तो उनका आक्रोश स्वाभाविक है। हालांकि इस तरह की शिकायतों की सत्यता की जांच जरूरी है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि चुनाव आयोग और प्रशासन इस तरह की आशंकाओं को तुरंत और पारदर्शी तरीके से दूर करें। बंगाल में चुनावी हिंसा कोई नई बात नहीं है। इसका इतिहास लंबा और जटिल रहा है। 1977 में वाम मोर्चा के सत्ता में आने के बाद से लेकर पंचायत राजनीति तक, सत्ता और संसाधनों पर नियंत्रण की लड़ाई ने कई बार हिंसक रूप लिया। पार्टी सोसाइटी जैसी अवधारणाएं इसी पृष्ठभूमि में जन्मी, जहां राजनीति ने सामाजिक ढांचे को पूरी तरह प्रभावित किया।

1993 की कोलकाता फायरिंग, सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलन, और 2011 के बाद के राजनीतिक बदलाव इन सभी घटनाओं ने यह दिखाया कि बंगाल की राजनीति में टकराव एक स्थायी तत्व बन चुका था। तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद उम्मीद थी कि हिंसा की संस्कृति में कमी आएगी, लेकिन 2018 के पंचायत चुनाव, 2019 के लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव ने इस उम्मीद को पूरी तरह साकार नहीं होने दिया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी इस दिशा में संकेत करते हैं कि राजनीतिक हत्याओं के मामले में पश्चिम बंगाल लंबे समय से शीर्ष राज्यों में रहा है। हालांकि इन आंकड़ों पर अक्सर बहस होती रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे परिदृश्य में 2026 के पहले चरण में अपेक्षाकृत कम हिंसा होना एक सकारात्मक संकेत जरूर है। खासकर यह तथ्य कि अब तक किसी बड़ी जानलेवा भटना की खबर नहीं आई है, राहत देने वाला है।

जहां पहले चुनावी हिंसा आम बात होती थी, वहां अच नियंत्रण और सतर्कता दिखाई दे रही है। यह सुधार लोकतांत्रिक संस्थाओं के मजबूत होने का संकेत है। लेकिन छिटपुट झड़पें, बमबाजी और तोड़फोड़ की घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि अभी बहुत कुछ बदलना बाकी है। मगर पश्चिम बंगाल का यह चुनाव यह भी दिखाता है कि लोकतंत्र में सुधार धीरे-धीरे ही संभव है। हिंसा में कमी एक सकारात्मक कदम है, लेकिन पूरी तरह शांतिपूर्ण चुनाव अभी भी एक लक्ष्य है, जिसे हासिल करना बाकी है। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक सख्ती और सामाजिक जागरूकता तीनों का समन्वय जरूरी है। हालांकि इन सबके बीच अच्छी बात यह है कि पिछले साल का रिकॉर्ड टूटा है, 2021 के विधानसभा चुनाव में 83.17 और 2016 विधानसभा चुनाव 82.66 प्रतिशत मतदान हुआ था, इस बार यह आंकड़ा 92 या 93 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। अब सवाल यह है कि बंपर वोटिंग का फायदा किसे होगा? राजनीतिक विश्लेषकों की राय अक्सर इस मुद्दे पर बंटी रहती है। एक पक्ष का मानना है कि उच्च मतदान प्रतिशत आमतौर पर सत्ता विरोधी लहर का संकेत होता है, यानी लोग बदलाव चाहते हैं और इसलिए बड़ी संख्या में वोट डालने निकलते हैं। यदि इस तर्क को मानें, तो यह भाजपा के पक्ष में जा सकता है, जो खुद को परिवर्तन का विकल्प बताती रही है। वहीं दूसरा पक्ष यह मानता है कि अधिक मतदान का मतलब यह भी हो सकता है कि सत्तारूवु दल के समर्थक अपने आधार को मजबूत करने के लिए अधिक संख्या में मतदान कर रहे हैं।

तृणमूल कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा और ग्रामीण क्षेत्रों में उसकी पकड़ को देखते हुए यह तर्क भी कमजोर नहीं है। खासकर उन क्षेत्रों में जहां सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लोगों तक पहुंचा है, वहां सत्तारूढ़ दल के समर्थन में अधिक मतदान देखा जा सकता है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि राज्य के लोगों ने एसआईआर के विरोध में वोटिंग किया है। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल इस बंपर मतदान को अपने-अपने तरीके से व्याख्यायित कर रहे हैं। तृणमूल इसे अपनी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की स्वीकृति के रूप में देख रही है, जबकि भाजपा इसे बदलाव की इच्छा और सत्ताविरोधी लहर का संकेत बता रही है। सच्चाई इन दोनों के बीच कहीं हो सकती है, जिसका फैसला केवल मतगणना के दिन ही स्पष्ट होगा। अंततः, यह कहा जा सकता है कि 89.93 प्रतिशत मतदान पश्चिम बंगाल के लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दर्शाता है कि जनता अब अपने अधिकारों के प्रति सजग है और वह अपने भविष्य को तय करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

कैंसर बचाव के लिए जन जागरूकता अभियान चलाएंः सीपी राधाकृष्णन

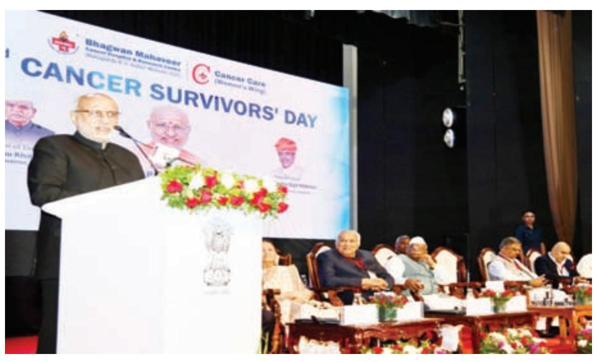

जयपुर। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि कैंसर से लड़ने और विजय प्राप्त करने के लिए मस्तिष्क से मजबूत रहना जरूरी है। उन्होंने कैंसर से बचाव के लिए विशेष रूप से युवाओं से नशीले पदार्थों और तंबाकू आदि से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कैंसर से बचाव के लिए व्यापक स्तर पर जन जागरूकता अभियान चलाए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कैंसर उपचार के अंतर्गत कीमोथेरेपी जैसी कठिन उपचार विधि के स्थान पर नवीनतम चिकित्सा अनुसंधानों में टैबलेट के जरिए उपचार की पहल उत्साहजनक है। उपराष्ट्रपति शनिवार को महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में कैंसर सरवाइवर्स डे के अवसर पर कैंसर सोसाइटी द्वारा आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शुद्ध पानी की उपलब्धता सबके लिए आवश्यक है। प्रतिवर्ष कैंसर के रोगी बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत कैंसर के उपचार के तहत कैंसर रोगियों को प्रति वर्ष पांच लाख तक का निःशुल्क इलाज मिलता है। इसमें सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी जैसे प्रमुख कैंसर उपचार शामिल हैं। यह योजना देशभर के सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में ब्रेस्ट, फेफड़े और मुंह के कैंसर सहित अन्य प्रकारों के इलाज को कवर करती है। गरीब मरीजों के इलाज के लिए एकमुश्त 15 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाती है। यह बहुत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भी ग्रामीण क्षेत्रों में 75 प्रतिशत राशि का व्यय कैंसर बचाव के लिए किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर इस समय देश में द्वितीय सबसे अधिक होने वाला कैंसर है। इसके बचाव के लिए वेक्सिनेशन के साथ उपचार के लिए कारगर प्रयासों की पहल केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा की गई है। राजस्थान कैंसर से लड़कर उससे मुक्त होने वालों में अग्रणी है। जो लोग कैंसर से लड़कर आज यहां उपस्थित हैं, वे प्रेरणा देने वाले हैं। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि जिस तरह से टीबी मुक्त अभियान चलाकर उससे मुक्ति के प्रभावी प्रयास हुए हैं, उसी तरह कैंसर मुक्त राजस्थान अभियान चलाकर प्रभावी प्रयास किए जाने की जरूरत है। बागड़े ने कहा कि तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट वालों को कैंसर अधिक होता है। इसलिए इनसे बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक वातावरण जीवन को ऊर्जा देता है। जल में घुलने वाले केमिकल, खेती में रसायनिक उर्वरकों के उत्पादों से कैंसर होता है। इसलिए आमजन को शुद्ध पानी, केमिकल मुक्त उत्पाद कैसे मिले, इस पर अधिकाधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि कैंसर जागरूकता के लिए प्रभावी प्रयास जरूरी है। उन्होंने राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

आदिवासी बहुल जिलों में नियुक्त किए 2025 बैच के आठ आईएएस अधिकारी

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 2025 बैच के आठ अधिकारियों को आदिवासी एवं चुनौतीपूर्ण ग्रामीण जिलों में सहायक जिलाधिकारी के रूप में पदस्थ किया है और उन्होंने इन क्षेत्रों को जमीनी स्तर पर प्रशासन की ''असली पाठशाला'' बताया। मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने कहा कि यह निर्णय केवल प्रशासनिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और लोकसेवा की भावना की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''यह महज एक नियुक्ति नहीं, बल्कि सुविचारित, योजनाबद्ध और अत्यंत सार्थक पहल है।'' मंडलोई ने कहा कि मुख्यमंत्री का मानना है कि जो अधिकारी अपने कार्यकाल की शुरुआत से ही कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, वंचित वर्गों की आकांक्षाओं और आदिवासी क्षेत्रों की जटिल प्रशासनिक चुनौतियों से रूबरू होते हैं, वे भविष्य में संवेदनशील, परिश्रमी और जनोन्मुखी प्रशासक बनते हैं। उन्होंने कहा कि बालाघाट, मंडला, डिण्डौरी, झाबुआ, आलीराजपुर, बड़वानी, अनूपपुर और श्योपुर जैसे आदिवासी जिले प्रशासन के लिए कठिन परीक्षा स्थल हैं। अधिकारी ने कहा कि दुर्गम भौगोलिक स्थिति, वन क्षेत्र, विविध आदिवासी संस्कृति और विकास संबंधी आवश्यकताएं – ये सभी मिलकर ऐसा वातावरण बनाते हैं जहां युवा अधिकारी केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि जमीनी अनुभव से सीखते हैं। सहायक जिलाधिकारी के रूप में पदस्थ 2025 बैच के अधिकारियों में आयुषी बंसल (झाबुआ), आशी शर्मा (धार), माधव अग्रवाल (बड़वानी), सोम्या मिश्रा (सिंगरौली), श्लोक वैकर (कटनी), शिल्पा चौहान (खंडवा), खोत पुष्पराज नानासाहेब (बैतूल) और शैलेंद्र चौधरी (मंडला) शामिल हैं।

लिव-इन पार्टनर पर प्रेमिका ने किया चाकू से हमला

जयपुर। खोराबीसल थाना क्षेत्र में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे युवक पर उसकी प्रेमिका द्वारा चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। इस हमले में युवक के पेट और सीने पर गंभीर चोटें आई हैं। जिसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल रामेश्वर लाल के अनुसार खोराबीसल निवासी 40 वर्षीय युवक ने पर्चा बयान में बताया कि वह एक निजी कंपनी में कार्यरत है और करीब पांच वर्ष पूर्व उसकी एक युवती से इंस्टाग्राम के माध्यम से दोस्ती हुई थी। समय के साथ दोनों के बीच प्रेम संबंध बने और वे आपसी सहमति से लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। पीड़ित के अनुसार 18 अप्रैल की रात वह अपने कमरे में सो रहा था। तभी उसकी प्रेमिका ने अचानक चाकू से उस पर हमला कर दिया। युवक के पेट और सीने पर कई वार किए गए। घायल अवस्था में उसने परिचित की मदद से निजी अस्पताल पहुंचकर उपचार लिया, जहां पुलिस को दिए बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया। वहीं दूसरी ओर युवती ने भी खोराबीसल थाने में युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। युवती का आरोप है कि युवक शराब के नशे में आए दिन उसके साथ मारपीट करता था और उसे लंबे समय से प्रताड़ित कर रहा था। इसी से आक्रोशित होकर उसने हमला किया।

जम्मू-कश्मीर: सांबा में मादक पदार्थों के खिलाफ रैली में उपराज्यपाल ने हिस्सा लिया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा 'नशा मुक्त अभियान' के अंतर्गत जारी 100 दिवसीय विशेष अभियान के तहत सांबा जिला मुख्यालय पहुंचे और कहा कि मादक पदार्थों के खतरे को खत्म करने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम के लिए भारी जनसमूह एकत्रित हुआ और समाज के सभी क्षेत्रों से जुड़े लोग नशामुक्ति अभियान का समर्थन करने के लिए एक साथ आए और समाज से नशे की बुराई को खत्म करने का संकल्प लिया। उपराज्यपाल ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा, ''मैंने बार बार यही कहा है कि यह 100 दिवसीय आंदोलन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और यह इस बात का प्रमाण होगा कि जब लोग एकजुट होकर आगे आते हैं, तो वे इतिहास बदल सकते हैं।'' सिन्हा ने 11 अप्रैल को नशा-विरोधी अभियान की शुरुआत के उपलक्ष्य में जम्मू के मध्य में स्थित एमए स्टेडियम से परेड ग्राउंड तक पदयात्रा का नेतृत्व किया। पिछले पखवाड़े में उन्होंने इस अभियान के तहत विभिन्न जिलों में रैलियों का नेतृत्व किया। उपराज्यपाल ने युवाओं को यह संदेश दिया कि इस ''गंभीर समस्या'' का समाधान उन्हीं के हाथों में है। उन्होंने कहा, ''युवाओं के सपने प्रभावशाली होते हैं; उनकी क्षमता असीमित है और समाज को उन सपनों को साकार करने के लिए उनका साथ देना चाहिए। मैं उनसे दृढ़ संकल्प के साथ सही राह पर बने रहने का आग्रह करता हूं।

झारखंड में आज से गर्मी से राहत के आसार

कई जिलों में ओलावृष्टि और वज्रपात की चेतावनी

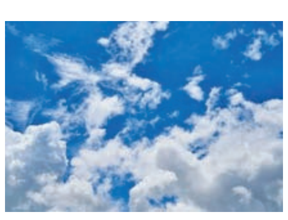

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में 26 अप्रैल से भीषण गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग ने 26, 27 और 28 अप्रैल को कई जिलों में गर्जन के साथ ओलावृष्टि, वज्रपात और तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इससे तापमान में गिरावट आने की उम्मीद है, जिससे लोगों को प्रचंड गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने जिन जिलों में ओलावृष्टि और वज्रपात की संभावना जताई है, उनमें उत्तर-पूर्वी और मध्यवर्ती क्षेत्र के कई जिले शामिल हैं। उत्तर-पूर्वी जिलों में देवघर, दुमका, गिरिडीह, पाकुड़, जामताड़ा, गोड्डा और साहिबगंज शामिल हैं। वहीं मध्यवर्ती जिलों में रांची, खूंटी, रामगढ़, गुमला, हजारीबाग, लोहरदगा, धनबाद और कोडरमा में भी खराब मौसम की संभावना व्यक्त की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला में 19.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को रांची और आसपास के इलाकों में दिनभर मौसम साफ रहा, जिससे लोगों ने भीषण गर्मी का सामना किया। रांची में अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री और न्यूनतम 22.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 41.1 डिग्री और न्यूनतम 27.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 43.6 और न्यूनतम 23.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 43.5 डिग्री और न्यूनतम 25.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 42.4 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सतर्क रहें, खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचें तथा वज्रपात के समय सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। खासकर किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम ने सपत्नीक किए महाकाल के दर्शन

उज्जैन। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार को धर्मपत्नी सुशीला देवी के साथ मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल के दर्शन किये। उन्होंने सपत्नीक भस्म आरती में शामिल होकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया और बिहार की समृद्धि, कल्याण, और सनातन संस्कृति की सकारात्मक ऊर्जा के लिए प्रार्थना की।

बिहार में इन दिनों नई सरकार के गठन की कवायद चल रही है। एक दिन पहले यानी शुक्रवार को ही बिहार के नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विश्वास मत जीता है। इसी बीच पूर्व उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा शनिवार तड़के करीब चार बजे उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने महाकालेश्वर मंदिर में नंदी हॉल में बैठकर भस्म आरती के दर्शन किए और भगवान महाकाल का स्मरण किया। आरती के बाद उन्होंने नंदी जी का पूजन-अभिषेक कर कान में अपनी मनोकामना भी कही। उन्होंने मंदिर के चांदी द्वार से भगवान महाकाल को जल अर्पित किया। इस दौरान पुजारियों ने विधि-विधान से उनका पूजन-अभिषेक कराया। दर्शन के बाद पूर्व उप मुख्यमंत्री सिन्हा ने कहा कि कालों के काल महाकाल की नगरी उज्जैन में सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की कि हर बिहारी का गौरव बना रहे, सभी स्वस्थ रहें और महाकाल की कृपा सब पर बनी रहे।

शनिवार को वैशाख शुक्ल पक्ष की नवमी पर तड़के हुई भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का भाग-चंदन से विशेष श्रृंगार किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। बाबा महाकाल के दर्शन के लिए भक्त देर रात से ही कतारों में लग गए थे। मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार तड़के हुई भस्म आरती में आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह 4 बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में विराजित सभी देव प्रतिमाओं का विधिवत पूजन किया। इसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। भव्य श्रृंगार में बाबा महाकाल को रजत 'ॐ' बिल्वपत्र मुकुट, रुद्राक्ष की माला अर्पित की गई। मस्तक पर त्रिपुण्ड, त्रिशूल, डमरू और शेषनाग के रजत मुकुट से अलंकृत किया गया। इसके साथ ही रजत की मुंडमाल, रुद्राक्ष और सुगंधित पुष्पों की मालाएं पहनाई गईं, जिससे बाबा का स्वरूप अत्यंत आकर्षक नजर आया। इसके बाद भगवान गणेश, माता पार्वती और कार्तिकेय का पूजन कर भगवान महाकाल को फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। कपूर आरती के पश्चात भस्म अर्पित कर विधिवत भस्म आरती की गई। इस दौरान भगवान को भस्म रमाई गई और श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। महानिर्वाणी अखाड़ा की ओर से भी भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। मान्यता है कि भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार रूप में दर्शन देते हैं। भस्म आरती के दौरान पूरा मंदिर ''जय महाकाल'' के जयकारों से गूंज उठा।

राजस्थान के नीमराना में कबाड़ के गोदाम में आग लगने से चार लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले के नीमराना इलाके में कबाड़ के एक गोदाम में आग लगने से दो नाबालिग लड़कियों सहित चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह घटना शुक्रवार रात की है। पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने देर रात चार शव बरामद किए और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान कविता (15), उसकी सात साल की रिश्तेदार, चालक रविदत्त यादव और गोदाम संचालक के सहयोगी जॉनी के रूप में हुई है। जॉनी गोदाम में 'प्लास्टिक प्रोसेसिंग' मशीन पर काम करता था। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि चालक प्लास्टिक का सामान खरीदने के लिए हरियाणा से आया था। इस दौरान छोटी लड़की कबाड़ में पड़ी परफ्यूम की बोतलों को छांट रही थी और उनके ढक्कन हटा रही थी। पुलिस को संदेह है कि चालक द्वारा फेंकी गई जलती बीड़ी से बोतलों में मौजूद 'स्पिरिट' (अल्कोहल) में आग लग गई। आग के फैलते ही उससे बचने के लिए वहां मौजूद लोग एक तरफ भागे लेकिन वहां दीवार थी। वे अंदर ही फंस गए और दम घुटने से उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बाद में उनके जले शव बरामद किए गए। उसने बताया कि गोदाम में काम करने वाली एक महिला किसी तहफ बाहर आ गई, लेकिन वह चोटिल हो गई। पुलिस ने पूछताछ के लिए गोदाम मालिक के एक सहयोगी को हिरासत में लिया है जबकि मालिक करण सिंह फरार है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

तेलंगाना में फिर दौड़ीं आरटीसी बसें

कर्मचारियों ने तीन दिवसीय हड़ताल ली वापस

हैदराबाद। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के कर्मचारियों द्वारा अपनी तीन दिवसीय हड़ताल वापस लेने के बाद शनिवार सुबह पूरे तेलंगाना में बस सेवाएं फिर से शुरू हो गईं। डिपो से पहली शिफ्ट से ही बसें निकलनी शुरू हो गईं, जिससे शहर और राज्य के अन्य हिस्सों में आवश्यक यातायात व्यवस्था बहाल हो गई। बस सेवाएं शुरू होते ही बस स्टॉप पर इंतजार कर रहे छात्रों, कामकाजी पेशेवरों और महिलाओं ने राहत की सांस ली।

लंबे इंतजार के बाद आरटीसी बसों को देखकर यात्रियों ने खुशी जाहिर की, जिससे सामान्य जनजीवन फिर से पटरी पर लौटता दिखाई दिया। यह समाधान सरकार और श्रमिक संघों के बीच लंबी बातचीत के बाद संभव हो पाया। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का ने घोषणा की कि सरकार आरटीसी कर्मचारियों को 11 प्रतिशत फिटमेंट देने पर सहमत हो गई है। यह हड़ताल समाप्त करने की प्रमुख मांगों में से एक थी। राज्य के परिवहन मंत्री पोनम प्रभाकर ने कहा कि वार्ता सकारात्मक रही और सरकार कर्मचारियों की मांगों के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बस सेवाएं जल्द ही पूरी तरह स्थिर हो जाएंगी। यूनियन नेताओं ने भी बातचीत के परिणाम पर संतोष व्यक्त किया और हड़ताल वापस लेने की आधिकारिक पुष्टि की। समझौते के तहत सरकार आरटीसी कर्मचारियों को सरकारी सेवा में विलय करने की पुरानी मांग की जांच के लिए अधिकारियों और यूनियन प्रतिनिधियों की एक संयुक्त समिति गठित करेगी। साथ ही मान्यता प्राप्त यूनियनों के चुनाव कराने का रास्ता भी साफ कर दिया गया है। अन्य लंबित मुद्दों को आगामी बैठकों और चर्चा के माध्यम से सुलझाया जाएगा। यह महत्वपूर्ण वार्ता शुक्रवार सुबह शुरू हुई थी और देर रात तक लगभग 14 घंटे चली। आरटीसी संयुक्त कार्य समिति के नेताओं ने अध्यक्ष ई. वेंकन्ना के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों के साथ कई दौर की बातचीत के दौरान 32 मांगों की सूची प्रस्तुत की थी। टीजीएसआरटीसी के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (एमडी) वाई. नागी रेड्डी ने शनिवार को घोषणा की कि राज्य सरकार और कर्मचारी संघों के बीच सफल वार्ता के बाद हड़ताल पूरी तरह समाप्त हो गई है और पूरे तेलंगाना में पहली शिफ्ट से 100 प्रतिशत बस सेवाएं बहाल कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में चर्चा हुई, जिससे प्रमुख मांगों पर सहमति बनी।

प्रधानमंत्री और योगी के राज में बेटियां असुरक्षित क्यों: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक लड़की की कथित तौर हत्या किए जाने की घटना को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा तथा सवाल किया कि उनके राज्य में बेटियां इतनी असुरक्षित क्यों हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जिस देश और प्रदेश में मां-बाप को अपनी बेटी की प्राथमिकी लिखवाने के लिए गुहार लगानी पड़े, वहां की सरकार को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

गाजीपुर के करंडा इलाके में गत 15 अप्रैल को एक लड़की की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी हरिओम पांडे को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना के बाद समाजवादी प्रतिनधिमंडल के दौरे के दौरान ग्रामीणों और सपा कार्यकर्ताओं के बीच पथराव भी हुआ था। गांधी ने 'एक्स' पर लिखा, ''उत्तर प्रदेश के ग़ाज़ीपुर में विश्वकर्मा समाज की एक बेटी के साथ बलात्कार और निर्मम हत्या - और फिर परिवार को प्राथमिकी दर्ज कराने से रोकने के लिए धमकियाँ, हिंसा। हाथरस, कठुआ, उन्नाव और आज ग़ाज़ीपुर, यह एक 'पैटर्न' है। मणिपुर की बेटी ने न्याय की राह देखते-देखते दम तोड़ दिया।'' उन्होंने दावा किया, ''हर बार वही चेहरा, पीड़िता दलित, पिछड़ी, आदिवासी, ग़रीब। हर बार वही सच्चाई, अपराधी को संरक्षण, पीड़ित को प्रताड़ना। हर बार वही चुप्पी, सत्ता की, जिन्हें बोलना चाहिए था।'' गांधी ने कहा कि जिस देश और प्रदेश में माँ-बाप को अपनी बेटी की प्राथमिकी लिखवाने के लिए भीख माँगनी पड़े, उस देश की सरकार को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

उन्होंने कहा, ''दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई हो, परिवार को सुरक्षा मिले, उच्चस्तरीय जांच हो और तुरंत न्याय मिले। मोदी जी, मुख्यमंत्री जी जवाब दीजिए, आपके राज में बेटियां इतनी असुरक्षित क्यों हैं?'' गांधी ने कहा, ''ऐसे हालात में न्याय मांगा नहीं, छीना जाता है और हम छीनकर लाएंगे।'' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'एक्स' पर कहा, ''गाजीपुर में एक लड़की की हत्या के मामले में पहले मामला दर्ज होने में आनाकानी, फिर पीड़ित परिवार को धमकियां मिलना और दबंगों द्वारा अराजकता फैलाना यह दिखाता कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार चरम पर है। भाजपा राज में अब यही अघोषित कानून बन गया है कि जब भी किसी महिला पर अत्याचार होता है तो पीड़ित को ही और प्रताड़ित किया जाता है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं के संबंध में प्रधानमंत्री मोदी की बड़ी-बड़ी बातें सिर्फ दिखावा हैं। प्रियंका ने कहा, ''उन्नाव हो, हाथरस हो, प्रयागराज हो या गाजीपुर, जहां भी महिलाओं के साथ अन्याय हुआ, भाजपा अपनी पूरी सत्ता के साथ पीड़िता के खिलाफ, अत्याचारी के साथ खड़ी हो गई। देश भर की महिलाएं ये अंधेरगर्दी देख रही हैं।

हम खेड़ा के साथ खड़े हैं, न्याय की जीत होगीः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद शनिवार को कहा कि वह अपने मीडिया विभाग के प्रमुख के साथ खड़ी है और उम्मीद जताई कि ''उत्पीड़न की राजनीति पर न्याय'' की जीत होगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''पूरी कांग्रेस अपने मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के साथ मजबूती से एकजुट खड़ी है। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने की प्रक्रिया चल रही है।'' उन्होंने कहा, ''हमें विश्वास है कि धमकी, डराने-धमकाने और उत्पीड़न की राजनीति पर न्याय की जीत होगी।'' गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यह याचिका हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी पर कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां होने के आरोपों से जुड़े मामले में दायर की गई थी। मुख्यमंत्री शर्मा की पत्नी रिंकी भुइयां शर्मा ने खेड़ा और अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत गुवाहाटी अपराध शाखा पुलिस थाने में आपराधिक मामले दर्ज कराए थे। इससे पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय ने खेड़ा को सात दिन की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, लेकिन असम पुलिस ने इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। शीर्ष अदालत ने अंतरिम आदेश पारित कर ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी थी और खेड़ा को गुवाहाटी उच्च न्यायालय जाने को कहा था।

भीषण सड़क हादसाः स्कॉर्पियो-ट्रक की आपस में टक्कर, 5 लोगों की मौत

मऊ। मऊ जिले में शनिवार तड़के स्कॉर्पियो और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और हादसे में एक पालतू कुत्ते की भी जान चली गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा तड़के करीब तीन बजे दोहरीघाट थाना क्षेत्र में राजमार्ग पर हुआ जब गोरखपुर जिले के रानीडीहा का निवासी एक परिवार दो सहयोगियों के साथ रांची (झारखंड) से अपनी बेटी की शादी कर स्कॉर्पियो से लौट रहा था।

घोसी के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि झारखंड नंबर की कार अनियंत्रित होकर गलत लेन में चली गई और सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान विनय श्रीवास्तव (53), उनकी पत्नी अर्चना श्रीवास्तव (48), पुत्र कृतार्थ श्रीवास्तव (27), रविंद्र यादव (20) और पुरुषोत्तम कुमार (28) के रूप में हुई है। रविंद्र और पुरुषोत्तम गया जिले के रहने वाले थे। सूचना मिलते ही दोहरीघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद शवों को वाहन से बाहर निकाला गया। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है और दुर्घटना के सही कारणों की जांच कर रही है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों की आत्मा की शांति की कामना की है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''जनपद मऊ में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद है।

मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।''

कार के पलटने से तीन युवकों की मौत; चार अन्य घायल

सोनभद्र। जिले के राबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह वाराणसी-शक्तिनगर राजमार्ग पर ग्राम लोढ़ी के पास एक कार के पलटने से तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि चालक समेत चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

थाना प्रभारी रामस्वरूप वर्मा ने बताया कि कन्हौरा गांव से एक बारात रायपुर थाना क्षेत्र के पौनी गांव गई थी। शनिवार भोर में आठ लोग जायलो कार में सवार होकर बारात से लौट रहे थे। लोढ़ी गांव के पास पहुंचते ही कार अनियंत्रित होकर पलट गई। उन्होंने बताया कि हादसे में नितीश यादव (25), जितेंद्र साहनी (22) और दिलीप पासवान (22) की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल चालक छोटेलाल (28) को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज से बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। अन्य घायलों का इलाज स्थानीय मेडिकल कॉलेज में किया जा रहा है।

थाना प्रभारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और चालक को झपकी आने से हादसा होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रधानमंत्री मोदी 29 अप्रैल को करेंगे गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की महत्वाकांक्षी गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना अंतिम चरण में पहुंच गई है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अप्रैल को हरदोई से देश के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करेंगे। एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, करीब 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे देश की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में शामिल है। लगभग 37 हजार करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने चार प्रमुख पैकेज में विभाजित कर तेजी से पूरा कराया है। इस परियोजना को 'मल्टी-पैकेज' मॉडल के तहत क्रियान्वित किया गया, जिससे निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा हो सका।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की सख्त निगरानी में इसे चार हिस्सों में बांटकर अलग-अलग एजेंसियों से समानांतर रूप से कार्य कराया गया। बयान में कहा गया कि पहला पैकेज 129.70 किलोमीटर लंबा है, जिसकी लागत 9,000 करोड़ रुपये से अधिक है। दूसरा पैकेज 151.70 किलोमीटर का है और इसकी लागत भी करीब 9,000 करोड़ रुपये है। तीसरा पैकेज 155.70 किलोमीटर लंबा है, जिसकी लागत लगभग 9,000 करोड़ रुपये है। चौथा और सबसे लंबा पैकेज 156.847 किलोमीटर का है, जिसकी लागत करीब 9,500 करोड़ रुपये है। यूपीडा ने डिजाइन, निर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण के सभी स्तरों पर कड़ी निगरानी रखी। नियमित समीक्षा और जमीनी स्तर पर निगरानी के चलते सभी पैकेज निर्धारित समयसीमा के अनुरूप आगे बढ़े।

बयान में कहा गया कि गंगा एक्सप्रेसवे केवल यातायात सुविधा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे एक आर्थिक कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके साथ प्रस्तावित इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स क्लस्टर प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देंगे। यह एक्सप्रेसवे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पूर्वी हिस्सों से जोड़ेगा, जिससे यात्रा समय में कमी आएगी। साथ ही लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी, उद्योगों को बेहतर संपर्क मिलेगा और निवेश के नए अवसर सृजित होंगे। यह परियोजना उत्तर प्रदेश को एक मजबूत औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बेकाबू कार पेड़ से टकराई दो दोस्तों की मौत

बिजनौर। शनिवार की सुबह थाना मण्डावर क्षेत्र में एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मण्डावर थाना अध्यक्ष सुमित राठी ने बताया कि यह घटना मण्डावर-चंदक रोड पर रानीपुर गांव के पास सुबह चार बजे हुई। अर्टिका कार में तीन लोग सवार थे। कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में सिकंदरपुर, मंडावर निवासी सुल्तान (50) और करौंदी, रुड़की का रहने वाला राजा (40) की मौके पर ही मौत हो गई। हरियाणा के कमालपुर निवासी अजू (26) गंभीर रूप से घायल हो गए, मृतक सुल्तान और राजा आपस में दोस्त थे। दोनों किसानी और दूध बेचने का काम करते थे। हरदोई से लौटते हुए यह दुर्घटना हुई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अजू को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी।

राजनीति के महत्वपूर्ण स्तंभ थे हेमवती नंदन बहुगुणाः मुख्यमंत्री

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूर्व सीएम स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा की पावन जयंती पर उन्हें नमन किया और योजना भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुगुणा जी भारत की राजनीति के महत्वपूर्ण स्तंभ थे। उनका जन्म तत्कालीन उत्तर प्रदेश (वर्तमान उत्तराखंड) के पौढ़ी गढ़वाल जनपद में 25 अप्रैल 1919 को हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा गांव में अर्जित करने के उपरांत उच्च शिक्षा के लिए वह प्रयागराज आ गए थे।

1942 से 1946 तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर 'भारत छोड़ो आंदोलन' में बहुगुणा जी की सक्रिय सहभागिता रही, जिस कारण ब्रिटिश सरकार ने उन्हें जेल में भी डाला था। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुगुणा जी ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रखर छात्रनेता के रूप में अपनी छाप छोड़ी। वह देश के स्वाधीनता आंदोलन में लगातार सक्रिय रहे। आजादी के बाद 1952 के पहले आम चुनाव में वह पहली बार उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य बने। उन्हें प्रदेश सरकार के मंत्री के रूप में भी कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ था। उत्तर प्रदेश में विभिन्न विभागों के मंत्री तथा मुख्यमंत्री के रूप में उनकी सेवाएं सराहनीय रहीं। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास को लेकर बहुगुणा जी का अपना विजन था। उसे आज भी प्रभावी रूप से धरातल पर उतरते हम सभी महसूस कर सकते हैं।

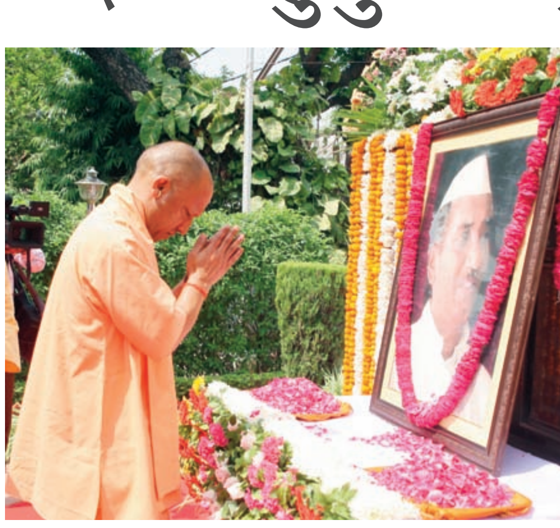

▸▸ सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर किया नमन, प्रतिमा पर अर्पित की पुष्पांजलि

बहुगुणा जी ने केंद्र सरकार में भी अनेक मंत्रालयों में सेवाएं दीं। लंबे राजनीतिक व सार्वजनिक जीवन में देश के प्रति उनकी सेवा उल्लेखनीय रही हैं, जो वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, अमरेश कुमार, विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल, रामचंद्र प्रधान आदि मौजूद रहे।

उर्जा मंत्री ने विद्युत वैन का किया उद्घाटन प्रतिदिन 8-8 घंटे की 3 शिफ्टों में करेगी काम

वाराणसी। जनपद के उपभोक्ताओं को निर्बाध, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता की बिजली आपूर्ति देने के लिए प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए.के.शर्मा ने शनिवार को शहर में दो अत्याधुनिक '24×7 वैन' का उद्घाटन किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्युत फॉल्ट सुधार में लगने वाले समय को न्यूनतम करना है।

बिजली विभाग के अफसरों के अनुसार, इन दोनों विशेष वाहनों को हर प्रकार की तकनीकी चुनौती से निपटने के लिए आधुनिक सुरक्षा उपकरणों और आवश्यक टी एंड पी किट से सुसज्जित किया गया है। शहर में सही मायनों में चौबीस घंटे सातों दिन सेवाएं देने के लिए, इन वाहनों पर तैनात कर्मचारियों की टीम प्रतिदिन 8-8 घंटे की 3 शिफ्टों में कार्य करेगी। प्रत्येक शिफ्ट में सुपरवाइजर, लाइनमैन और हेल्पर सहित कुशल कर्मचारियों की टीम तत्पर रहेगी।

आपातकालीन वैन के 24×7 विस्तृत कार्य सेवाएं देने के लिए तैयार वैन में एचटी रखरखाव एवं ट्रांसफॉर्मर प्रतिस्थापन में आसानी रहेगी। हाई टेंशन (एचटी) लाइनों का मेंटेनेंस, ब्रेकडाउन सुधार, तथा आवश्यकता पड़ने पर ट्रांसफॉर्मर व क्रॉस आर्म को तुरंत बदला जाएगा। भूमिगत एवं एबी केबल फॉल्ट सुधार में आसानी रहेगी।

अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से भूमिगत केबलों में आए फॉल्ट का त्वरित पता लगाना। साथ ही, जर्जर व खराब एबी केबल और क्षतिग्रस्त कंडक्टर को समय पर बदला जाएगा।इसके अलावा प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना के कारण टूटे या झुके हुए खम्भों को सीधा करने या उन्हें तत्काल बदलने में आसानी होगी। पेड़ों की छंटाई एवं लाइन क्लीयरेंस में भी फायदा होगा। इसमें ओवरहेड लाइनों को सुरक्षित और बाधा मुक्त रखने के लिए पेड़ों की डालियों की छंटाई करना, ताकि शॉर्ट-सर्किट का खतरा न रहे। इससे केवल ब्रेकडाउन ही नहीं, बल्कि विद्युत लाइनों का नियमित सर्वे कर संभावित फॉल्ट्स को पहले ही दूर करने में आसानी होगी। किसी भी क्षेत्र में बिजली बाधित होने पर तुरंत मौके पर पहुंचना और फॉल्ट को दूर कर जल्द से जल्द सप्लाई बहाल होगी।

बेटे की हत्या के बाद पिता ने फांसी लगाकर दी जान

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी जिले के रक्सा थाना क्षेत्र में एक पिता ने अपने ही मासूम बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी। उसके बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। रक्सा थाना क्षेत्र के ग्राम ढीमरपुरा निवासी प्रेम सिंह अपने परिवार के साथ रहता था। शुक्रवार रात परिवार के अधिकांश सदस्य घर के बाहर सो रहे थे। देर रात करीब तीन बजे प्रेम सिंह की पत्नी को किसी प्रकार की आहट महसूस हुई।

संदेह होने पर उसने कमरे के जंगले से अंदर झांककर देखा तो उसके होश उड़ गए। अंदर उसका पति प्रेम सिंह फांसी के फंदे पर लटका हुआ दिखाई दिया। घटना की सूचना तुरंत डायल 112 पर दी गई। सीओ सदर रामवीर सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम, रक्सा थाना प्रभारी निरीक्षक और फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने किसी तरह कमरे का दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किया। देखा कि प्रेम सिंह का शव फंदे से लटका हुआ था, जबकि उसका तीन वर्षीय मासूम बेटा खून से सना हुआ जमीन पर मृत अवस्था में पड़ा था। पुलिस ने मौके का मुआयना कर दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि प्रेम सिंह ने पहले अपने बेटे की चाकू से वार कर हत्या की और फिर खुद फांसी लगाकर जान दे दी। सीओ ने बताया कि इस खौफनाक कदम के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। मामले की गहन जांच की जा रही है और पारिवारिक परिस्थितियों समेत सभी पहलुओं को खंगाला जा रहा है।

शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग से एक की मौत, पांच लोग झुलसे

कानपुर। घाटमपुर में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। तीन दुकानें आग की चपेट में आकर जलकर खाक हो गईं। हादसे में एक दुकानदार की जिंदा जलकर मौत हो गई। जबकि परिवार के पांच अन्य सदस्य गंभीर रूप से झुलस गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के बेहटा बुजुर्ग इलाके स्थित दीना मार्केट में यह हादसा हुआ। यहां एक ही परिवार के तीन सगे भाइयों रामकिशन (70), सत्यनारायण और रज्जन लाल की दुकानें हैं। इनमें एक किराने की, दूसरी कपड़ों की और तीसरी जनरल स्टोर है। आग कपड़ों की दुकान में लगी थी। दुकान के ऊपर ही पूरा परिवार रहता था। सभी लोग रोज की तरह दुकान बंद कर सोने चले गए थे। शनिवार सुबह दुकानों से धुआं निकलता देख स्थानीय लोगों ने शोर मचाया और आग लगने की सूचना दी। घटना के दौरान रामकिशन मौके पर पहुंचे, लेकिन घने धुएं की चपेट में आकर बेहोश हो गए और जिंदा जलकर उनकी मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी गोमती, बेटा हरिओम, बहू श्रेया, चार माह का बच्चा शिवांश और भतीजी आयुषी झुलस गए। सूचना पर दमकल विभाग की करीब आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और बगल के मकान से सीढ़ी लगाकर रेस्क्यू अभियान चलाया गया। आग में फंसे सभी लोगों को बाहर निकाला गया।

घटना की जानकारी मिलते ही एसीपी रंजीत कुमार सिंह और एसडीएम अविचल प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे क्षेत्र को रस्सियों से घेर दिया गया है। करीब छह घण्टों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। सत्यनारायण के पुत्र अंकुर ने बताया कि आग में सब कुछ जलकर राख हो गया और उनके ताऊ रामकिशन की मौत हो गई।

जबकि लाखों का माल जलकर खाक हो गया है। तहसीलदार अंकित पाठक ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

हाईटेंशन खंभे से लटका मिला युवक का शव, क्षेत्र में सनसनी

मीरजापुर। जिले में अदलहाट थाना क्षेत्र के डेढ़ौना ग्राम के सिवान में शनिवार की सुबह एक युवक का शव हाईटेंशन विद्युत खंभे से रस्सी के सहारे लटका मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। डेढ़ौना निवासी जय कुमार पटेल पुत्र शंकर पटेल शनिवार भोर पशुओं को चारा देने के बाद घर से निकले थे। सुबह जब ग्रामीण सिवान की ओर गए, तो कलवरिया नाला के पास स्थित हाईटेंशन विद्युत खंभे से उसका शव लटकता देखा। इसके बाद तत्काल परिजनों को सूचना दी गई। घटना की खबर मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर पहुंचे उपनिरीक्षक राजेश राय ने शव का पंचायतनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष अजय सेठ ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

गंगा नदी में डूबने से दो किशोरों समेत तीन की मौत, लापता नाबालिग की तलाश जारी

बलिया। जिला मुख्यालय के श्री रामपुर घाट पर गंगा नदी में स्नान के दौरान डूबने से दो किशोरों समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घटना में नदी में डूबे नाबालिग की तलाश जारी है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने दोनों किशोरों समेत तीनों व्यक्तियों के शव शुक्रवार शाम को बरामद किए।

पुलिस के अनुसार इसी घाट पर एक अन्य घटना में एक नाबालिग नदी में डूब गया जिसकी तलाश जारी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) क्षितिज त्रिपाठी ने बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर को दो किशोर और एक युवक गंगा में डूब गए, जिनकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक ये लोग जनाड़ी गांव निवासी शिव जी वर्मा के पौत्र के मुंडन संस्कार में शामिल होने आए थे और मुंडन के बाद परिजनों के साथ गंगा स्नान करने गए थे। स्नान के दौरान तीनों गहरे पानी में चले गए जिससे डूबने से उनकी उनकी मौत हो गई। एसएचओ ने बताया कि मृतकों में दुबहर थाना क्षेत्र के घोड़हरा गांव का अमन खरवार (17), बांसडीह रोड थाना क्षेत्र के शीतल दवनी गांव का बलवंत वर्मा (20) और बैरिया थाना क्षेत्र के शिवन टोला गांव का कृष्णा वर्मा (17) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ की टीम ने शुक्रवार शाम अमन, बलवंत और कृष्णा के शव नदी से बाहर निकाले। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है।

कोतवाली प्रभारी ने बताया कि एक अन्य घटना में बृहस्पतिवार सुबह श्रीरामपुरघाट पर देवरिया जिले में लार रोड निवासी सन्नी पटेल (13) नहाते समय डूब गया। उसकी अब तक तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि सन्नी पटेल की तलाश के लिए एसडीआरएफ और गोताखोरों की टीम लगातार खोज अभियान में जुटी है।

26 अप्रैल को 'भारत और इसकी वैज्ञानिक गौरव गाथा, अध्याय-2' का ग्रैंड फिनाले आयोजन

गाजियाबाद। यूथ यूनिटी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'भारत और इसकी वैज्ञानिक गौरव गाथा, अध्याय-2' का ग्रैंड फिनाले 26 अप्रैल को जानकी सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में कार्यक्रम आयोजक एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी विनीत वत्स त्यागी ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

विनीत वत्स त्यागी ने बताया कि यह एक राष्ट्रीय युवा प्रतियोगिता है, जिसका उद्देश्य विज्ञान, गणित, चिकित्सा, खगोलशास्त्र, धातुकर्म और भाषा विज्ञान जैसे विषयों में भारत के मूलभूत योगदान को सामने लाना और युवाओं को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता की परिकल्पना 16 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को एक प्रामाणिक मंच उपलब्ध कराने के लिए की गई है, जहां वे भारत की बौद्धिक परंपराओं का अध्ययन कर सकें और उन्हें आधुनिक विज्ञान व प्रौद्योगिकी की चुनौतियों से जोड़ सकें। उन्होंने बताया कि प्राचीन भारत ने विश्व को शून्य, दशमलव पद्धति, सूर्यकेंद्रित खगोलशास्त्र, मोतियाबिंद शल्यचिकित्सा, उन्नत धातुकर्म और अत्यंत परिष्कृत व्याकरण विश्लेषण जैसे महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं। यह प्रतियोगिता इन उपलब्धियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और शोध के लिए प्रेरित करने का माध्यम बनेगी। कार्यक्रम में देशभर से 168 टीमों ने नामांकन किया है, जिनमें 296 प्रतिभागी शामिल हैं। लगभग 110 शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं, जो 19 राज्यों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

ग्रैंड फिनाले में मुख्य अतिथि के रूप में तरुण चुग (राष्ट्रीय महासचिव, भारतीय जनता पार्टी), पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल, गाजियाबाद की मेयर सुनीता दयाल, मयंक गोयल प्रो. गंटी मूर्ति (राष्ट्रीय समन्वयक, शिक्षा मंत्रालय के इंडियन नॉलेज सिस्टम) तथा डॉ. अर्नब भट्टाचार्य (प्रोफेसर, आईआईटी कानपुर) सहित कई विद्वानों का पैनल प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करेगा। आयोजकों के अनुसार, यह कार्यक्रम युवाओं को भारत की वैज्ञानिक विरासत से जोड़ने के साथ-साथ नवाचार और अनुसंधान की दिशा में प्रेरित करने का महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

राहुल-अखिलेश का पुतला दहन करते समय भाजपा विधायक झुलसी

बहराइच। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का प्रतीकात्मक पुतला दहन करते समय सदर भाजपा विधायक अनुपमा जायसवाल झुलस गईं। आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। भाजपा ने नारी वन्दन अधिनियम का संसद में विरोध करने वाले विपक्षी दलों के विरोध में प्रदर्शन आयोजित किया था। इस प्रदर्शन में सदर भाजपा विधायक अनुपमा जायसवाल भी शामिल होने पहुंची थी। पुतला दहन के दौरान तेज हवा के कारण आग की लपटें भाजपा विधायक अनुपमा जायसवाल के चेहरे तक पहुंच गई,जिसमें वह झुलस गईं। मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं ने किसी तरह उन्हें बचाते हुए आनन फानन में उन्हें मेडिकल कॉलेज में एडमिट कराया गया है। उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना पर जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर विधायक का कुशलक्षेम जाना। जिलाधिकारी ने सीएमएस को विधायक के बेहतर इलाज का निर्देश दिया है। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गो आश्रय स्थलों में गर्मी से बचाव के पुख्ता इंतजाम के निर्देश

लखनऊ। योगी सरकार ने बढ़ती गर्मी और लू को देखते हुए प्रदेश के समस्त गो-आश्रय स्थलों में पशुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश जारी किए हैं। विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सभी गो आश्रय स्थलों पर गर्मी से बचाव के समुचित इंतजाम तत्काल प्रभाव से सुनिश्चित किए जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की लापरवाही से पशुओं को नुकसान न पहुंचे। दरअसल, भीषण गर्मी से बचाने के लिए गो आश्रय स्थलों पर वाटर मिस्टिंग सिस्टम, कूलर, पंखे और पर्याप्त छायादार व्यवस्था अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए।

इसके साथ ही पशुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करने को कहा गया है, जिससे किसी प्रकार की कमी तुरंत दूर की जा सके। योगी सरकार ने संभावित चारा संकट को देखते हुए इसके समाधान के लिए भी व्यापक रणनीति अपनाने को कहा है। गो आश्रय स्थलों में पर्याप्त मात्रा में हरा चारा और भूसा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पशुओं के पोषण में कोई कमी न आए। इस दौरान पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम ने बताया कि प्रदेश में चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। खाली कराई गई भूमि पर हाइब्रिड नेपियर घास की बुआई करने पर जोर दिया गया है, जिससे लंबे समय तक हरे चारे की उपलब्धता बनी रहे। इसके अलावा गो आश्रय स्थलों में छायादार वृक्षों का रोपण किया जा रहा है। जिलाधिकारी जौनपुर द्वारा भूसा दान करने वालों को पुण्य की एफडी प्रमाण पत्र वितरण किया गया है।

लू से सुरक्षा के लिए वाटर मिस्टिंग सिस्टम व कूलर अनिवार्य, चारा संकट से निपटने पर जोर

जिलाधिकारी आजमगढ़, बागपत, सहारनपुर एवं हरदोई द्वारा गो आश्रय स्थलों में वाटर मिस्टिंग सिस्टम, पंखे, कूलर और फॉगर में विशेष व्यवस्था की गई है। भूसा दान अभियान को लेकर भी प्रदेश में सकारात्मक रुझान देखने को मिला है। अब तक महराजगंज, जौनपुर, बलिया, वाराणसी, एटा, सहारनपुर, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, चित्रकूट, गोरखपुर समेत 10 जनपद इस अभियान में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं, जहां स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों के सहयोग से गो-आश्रय स्थलों को पर्याप्त मात्रा में भूसा उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य सरकार ने अन्य जनपदों से भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है।

केकेआर और एलएसजी के बीच मैच में रहाणे और पंत की कप्तानी की होगी परीक्षा

लखनऊ। कहा जाता है कि कप्तान उतना ही अच्छा होता है जितनी अच्छी उसकी टीम होती है तथा ऋषभ पंत और अजिंक्य रहाणे के लिए यह कड़वी सच्चाई साबित हो रही हैं जिनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में आमने-सामने होंगी। आईपीएल 2025 के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी केकेआर ने रहाणे को कप्तान बनाए रखकर साहसिक फैसला किया लेकिन उनकी अगुवाई में टीम इस सत्र में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है।

केकेआर को अपनी पहली जीत दर्ज करने में सात मैच लगे। यह जीत भी उसे सामूहिक प्रयास से नहीं बल्कि रिंकू सिंह के व्यक्तिगत प्रदर्शन की बदौलत मिली। रहाणे ने अब तक कुछ मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन वह अपेक्षित तेजी से रन नहीं बना पाए हैं जो कि इस प्रारूप में जरूरी है। उनकी उम्र लगभग 38 वर्ष है और ऐसे में उन्हें लंबी अवधि तक टी20 टीम का कप्तान बनाए रखना इस प्रारूप की मांगों के अनुरूप नहीं लगता है। कमजोर तेज गेंदबाजी आक्रमण और स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती के नहीं चल पाने से भी रहाणे की मुश्किलें बढ़ी। यही नहीं टीम अभी तक सही संयोजन भी तैयार नहीं कर पाई है। रचिन रविंद्र को अभी तक एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला है जबकि उनके देश न्यूजीलैंड के फिन एलन और टिम सीफर्ट के बीच बिना किसी स्पष्टता के अदला-बदली का खेल चल रहा है। रहाणे के कप्तान के रूप में कुछ फैसले भी टीम के लिए सही नहीं रहे। पिछले कुछ मैच में वह स्वयं भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे उन पर दबाव बढ़ गया है।

केकेआर भले ही इकाना स्टेडियम में कुछ हद तक लय में उतरें, लेकिन उसके अभी केवल तीन अंक हैं और उसे अपने शेष सात मैचों में से कम से कम छह में जीत हासिल करनी होगी जो उसके प्रदर्शन को देखकर असंभव लगता है। एलएसजी का अभियान भी अब तक अच्छा नहीं रहा है। ऋषभ पंत की अगुवाई वाली इस टीम ने केवल दो मैच जीते हैं और उस पर जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। लगातार चार हार और कप्तान के कई फैसलों ने स्थिति को और भी बदतर बना दिया है। पंत स्वयं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर का रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद 67 रन की पारी के बाद से उन्होंने पांच पारियों में केवल 72 रन बनाए हैं, जिसमें राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ तीन गेंदों पर शून्य पर आउट होना भी शामिल है।

लखनऊ की मुश्किल पिच पर 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पहला विकेट जल्दी गंवाने के बाद पंत क्रीज पर उतरे लेकिन उन्होंने गैर जिम्मेदाराना अंदाज में अपना विकेट इनाम में दिया। एलएसजी का अपने घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन इस साल भी जारी रहा।

पिछले सत्र में उसे यहां खेले गए आठ मैचों में से छह में हार मिली, जिसमें लगातार पांच हार शामिल हैं। इस साल उसने यहां तीन मैच गंवाए हैं। एलएसजी ने इस मैदान पर खेले गए कुल 24 मैचों में से केवल नौ में जीत हासिल की है। उनकी बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी रही है और शीर्ष क्रम के बार-बार लड़खड़ाने से मध्य क्रम की कमजोरियां उजागर हो गई हैं। विदेशी खिलाड़ियों में निकोलस पूरन (73 रन) और एडन मार्क्रम (162 रन) उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं। मुकुल चौधरी भी एक पारी में 27 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाने के बाद उसे दोहराने में नाकाम रहे हैं। श्रीलंका के 18 करोड़ रुपये में खरीदे गए गेंदबाज मथीशा पथिराना की वापसी से केकेआर को मजबूती मिली है।

वह अपनी घातक यॉर्कर गेंदों के लिए मशहूर हैं। जहां तक कप्तानी के समग्र रिकॉर्ड की बात है तो रहाणे ने केकेआर के कप्तान के रूप में अब तक 20 मैचों में छह मैच जीते हैं और 12 मैच हारे हैं, जबकि पंत के नेतृत्व में एलएसजी ने 21 मैचों में आठ बार जीत हासिल की है और 13 बार हार का सामना किया है।

इस प्रकार हैं दोनों टीम

- **एलएसजी:** ऋषभ पंत (कप्तान), एडेन मार्क्रम, हिम्मत , मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज़ , अर्शिन कुलकर्णी, वानिंदु हसरंगा, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान।
- **केकेआर:** अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, ब्लेसिंग मुजाराबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, फिन एलन, दक्ष कामरा, कार्तिक त्यागी, सार्थक रंजन, सौरभ दुबे।

मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

वंशिका और चिराग ने 10 मी एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्वर्ण जीता

काहिरा। वंशिका चौधरी और चिराग शर्मा ने शनिवार को यहां आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा जीत ली जिससे भारत के स्वर्ण पदकों की संख्या पांच हो गई। अभी एक दिन के मुकाबले और बाकी हैं, लेकिन भारत पांच स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदक के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है।

वंशिका और चिराग की जोड़ी ने 484.3 का स्कोर किया और व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट के तौर पर प्रतिनिधित्व कर रहे अलीकसांद्रा पियात्रोवा और मिकिता दौबाश (467.6) को पीछे छोड़ दिया। मोहिनी सिंह और हिमांशु राणा की दूसरी भारतीय जोड़ी ने 407.4 का स्कोर किया और चार टीमों के फाइनल में कांस्य पदक जीता। वंशिका और चिराग ने शनिवार सुबह 582 का स्कोर किया था और 14 टीमों के क्वालीफायर में शीर्ष पर रहे थे, जबकि मोहिनी और हिमांशु 568 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे।

वंशिका के लिए यह टूर्नामेंट में दूसरा स्वर्ण पदक था। इससे पहले उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल के व्यक्तिगत मुकाबले का खिताब जीता था। चिराग के लिए भी यह दूसरा पदक था, जिन्होंने इससे पहले जूनियर पुरुषों की एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता था। इसी दिन ट्रैप पुरुषों और महिलाओं के मुकाबले भी खत्म हुए जिसमें जुहैर खान फाइनल में सातवें जबकि भव्य त्रिपाठी फाइनल में आठवें स्थान पर रहीं।

पंजाब किंग्स ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराया

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में शनिवार को यहां रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से शिकस्त दी। कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दो विकेट पर 264 रन बनाए, लेकिन पंजाब किंग्स ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 265 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। यह आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत है। पंजाब किंग्स के लिए सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 76, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद 71 रन बनाए। कैपिटल्स के लिए कुलदीप यादव ने दो, जबकि अक्षर पटेल और विप्रज निगम ने एक-एक विकेट लिए।

मौजूदा चैंपियन अल्काराज़ कलाई की चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटे

मैड्रिड। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी नहीं कर पाएंगे क्योंकि वह दाहिनी कलाई में चोट के कारण वर्ष की इस दूसरी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता से हट गए हैं। अल्काराज़ ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया कि वह रोम में होने वाले इटालियन ओपन में भी भाग नहीं लेंगे, जहां उन्होंने पिछले साल जीत हासिल की थी।

स्पेन का यह खिलाड़ी इस महीने बार्सिलोना ओपन में अपने पहले दौर के मैच में जीत हासिल करने के दौरान चोटिल हो गए था और अगले दिन टूर्नामेंट से हट गए था। उन्होंने इस सप्ताह के मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने जब सोमवार को मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवाड्र्स समारोह में हिस्सा लिया तो उनकी कलाई में पट्टी बंधी हुई थी। उन्हें इस समारोह में विश्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। अल्काराज़ ने कहा कि चिकित्सा परीक्षणों के बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया। उन्होंने कहा,

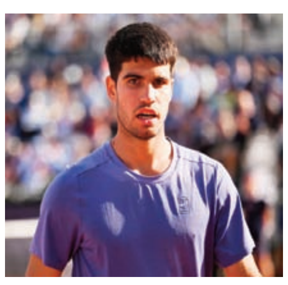

"आज किए गए परीक्षणों के परिणामों के बाद हमने फैसला किया है कि सबसे समझदारी भरा कदम सतर्क रहना तथा रोम (इटालियन ओपन) और रोलां गैरां (फ्रेंच ओपन) में भाग नहीं लेना है। यह मेरे लिए मुश्किल समय है लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं और मजबूत होकर वापसी करूंगा।"

अल्काराज़ ने इस साल के शुरू में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी। इसके साथ ही वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए थे। उसके बाद से उन्होंने केवल एक ही खिताब जीता है। उन्होंने फरवरी में दोहा में जीत हासिल की थी।

ओलंपिक पदक विजेता हॉकी खिलाड़ी गुरबख्श सिंह ग्रेवाल का निधन

चंडीगढ़। ओलंपिक हॉकी पदक विजेता गुरबख्श सिंह ग्रेवाल का यहां जीरकपुर में शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। गुरबख्श 1968 के मैक्सिको सिटी ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। उन्होंने अपने भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ एक ही ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस तरह से वे उन कुछ भाईयों की जोड़ी में शामिल हैं जो एक साथ ओलंपिक में खेले। गुरबख्श ने अपने खेल करियर के अलावा पश्चिमी रेलवे में खेल अधिकारी के रूप में काम किया, जहां उन्होंने राजस्थान की कई प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें रेलवे हॉकी टीम में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुंबई में सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद वह खेल प्रशासन में सक्रिय रहे।

सीएसके लय हासिल करने की कोशिश में, गुजरात की नजर वापसी पर

चेन्नई। पिछले कुछ मैचों शानदार प्रदर्शन करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। दूसरी तरफ लगातार दो हार का सामना करने वाली गुजरात टाइटंस की टीम अच्छा प्रदर्शन करके अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए बेताब होगी।

सीएसके ने इस सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं की थी लेकिन इसके बाद उसने शानदार वापसी करके अपने पिछले चार मैचों में से तीन में जीत हासिल की है। इसमें मुंबई इंडियंस पर 103 रन की जीत भी शामिल है, जिसमें संजू सैमसन ने सत्र का अपना दूसरा शतक लगाया था। रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली सीएसके के अभी छह अंक हैं और वह प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए आगे किसी भी तरह की गलतियों से बचने के लिए प्रतिबद्ध होगी। सीएसके की टीम अभी अच्छी स्थिति में नजर आ रही है। मुंबई के खिलाफ उसे

सैमसन की शानदार पारी और अकील हुसैन की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन के कारण बड़ी जीत मिली। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसने यह जीत अपने स्टार खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी (पिंडली की चोट) और युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे (हैमस्ट्रिंग की चोट) के बिना हासिल की। सीएसके के लिए हालांकि कुछ क्षेत्र चिंता का विषय बने हुए हैं। उसके शीर्ष क्रम ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन मध्य क्रम आक्रामक बल्लेबाजी करने और साझेदारी निभाने में नाकाम रहा है। गायकवाड़ खुद भी खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं जबकि सरफराज खान, शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे खिलाड़ी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे हैं। सीएसके के लिए गेंदबाजी विभाग सकारात्मक पहलू रहा है।

गुजरात टाइटंस की टीम अभी तक अवसरों का फायदा उठाने में नाकाम रही है। उसे पिछले दो मैच में हार का सामना करना पड़ा है। उसे मुंबई इंडियंस ने 99 रन और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पांच विकेट से हराया। उसके छह अंक है लेकिन खराब रन रेट के कारण वह सातवें स्थान पर है। आक्रामक बल्लेबाजी को बढ़ावा देने वाले प्रारूप में उनका रूढ़िवादी दृष्टिकोण हमेशा कारगर साबित नहीं हुआ है। विशेष रूप से मध्य क्रम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और वे अक्सर अच्छी शुरुआत का लाभ उठाने में विफल रहे हैं। आरसीबी के खिलाफ अपने पिछले मैच में भी गुजरात 230 से अधिक का स्कोर बनाने की स्थिति में दिख रही था, लेकिन उसके बल्लेबाज 16वें और 19वें ओवर के बीच वे तेजी से रन बनाने में नाकाम रहे, जो बाद में निर्णायक साबित हुआ। खराब फील्डिंग ने उसकी मुश्किलें और बढ़ा दीं हैं।

विराट कोहली ने जब खाता भी नहीं खोला था तब उनका आसान कैच छोड़ दिया गया था जो काफी महंगा साबित हुआ। गुजरात के पास प्रसिद्ध कृष्णा, कागिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज जैसे तेज गेंदबाज हैं जबकि युवा अशोक शर्मा ने भी छह विकेट लेकर योगदान दिया है। स्पिन गेंदबाजी विभाग में राशिद खान एकमात्र भरोसेमंद विकल्प बने हुए हैं, क्योंकि मानव सुथार ने अब तक केवल एक मैच खेला है और वाशिंगटन सुंदर का प्रदर्शन भी कुछ खास प्रभावशाली नहीं रहा है।

गुजरात टाइटंस के लिए एक बड़ा सकारात्मक पहलू साई सुदर्शन का आरसीबी के खिलाफ प्रभावशाली शतक रहा है, जबकि गिल ने तीन अर्धशतकों सहित 293 रन और जोस बटलर ने 231 रन बनाए हैं।

इस प्रकार हैं दोनों टीम

गुजरात टाइटंस: साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), शाहरुख खान, अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, टॉम बैंटन, ग्लेन फिलिप्स, जेसन होल्डर, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, साई किशोर, जयंत यादव, अरशद खान, शाहरुख खान, मानव सुथार, राशिद खान, मोहम्मद सिराज, कागिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा।

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी , संजू सैमसन , कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल , अमन खान, शिवम दुबे, जैक फॉल्केस, रामकृष्ण घोष, अंशुल कंबोज, जेमी ओवरटन, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजापनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील हुसैन, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद।

वित्त मंत्री ने वित्तीय क्षेत्र से साइबर सुरक्षा पर अत्यंत सतर्कता बरतने का किया आग्रह

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को वित्तीय क्षेत्र में विनियमित संस्थाओं से साइबर सुरक्षा जोखिमों के प्रति अत्यंत सतर्क रहने का आग्रह किया। अग्रणी एआई कंपनी एन्थ्रोपिक के नए मंच 'माइथोस' का नाम लिए बिना सीतारमण ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) उपकरण साइबर हमलों को अधिक तेज बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे उपकरण प्रणाली की कमजोरियों की स्वचालित ढंग से खोज कर सकते हैं और दुर्भावनापूर्ण सोर्स-कोड हस्तक्षेप जैसे तरीके अपनाकर पहचान से भी बच सकते हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के 38वें स्थापना दिवस समारोह में सीतारमण ने कहा कि किसी भी शेयर बाजार या अभिरक्षक संस्था (डिपॉजिटरी) पर एक भी साइबर हमला आर्थिक गतिविधियों को बाधित कर सकता है और आम लोगों के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई)

आधारित नए और उन्नत उपकरणों के आने से स्वचालित साइबर हमलों का खतरा बढ़ा है, जिससे साइबर सुरक्षा की आवश्यकता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। सीतारमण ने कहा, "केवल सेबी ही नहीं, बल्कि सभी विनियमित संस्थाओं को अत्यंत सतर्क रहना होगा। हमले के तरीके तेजी से विकसित हो रहे हैं और बचाव के साधनों को उससे भी अधिक तेजी से विकसित करना होगा।" वित्त मंत्री ने सेबी से आग्रह किया कि वह वैश्विक नियामक संस्थाओं के साथ नियमित परामर्श की एक व्यवस्था को संस्थागत रूप दे, साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय नियमन को अन्य देशों की नकल नहीं करनी चाहिए।

विदेशी पूंजी प्रवाह को लेकर बनी असहजता के बीच उन्होंने कहा कि नियामकों के बीच इस तरह का संवाद वैश्विक निवेशकों में भरोसा बढ़ा सकता है। सीतारमण ने वित्तीय प्रणाली से सभी कार्यों के लिए साझा 'अपने ग्राहक को जानिए' व्यवस्था की ओर बढ़ने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, "यह सभी हितधारकों की साझा जिम्मेदारी है कि किसी भी नागरिक को कई वित्तीय उत्पादों और मंचों पर एक ही सत्यापन प्रक्रिया को बार-बार न दोहराना पड़े।" वित्त मंत्री ने अत्यधिक विस्तृत नियम पुस्तिकाओं के बजाय सिद्धांत-आधारित नियम बनाने के लिए सार्वजनिक परामर्श आधारित नजरिये की वकालत की।

उन्होंने कहा कि अपंजीकृत 'फिनइन्फ्लुएंसर्स' (वित्तीय मामलों में आम लोगों को प्रभावित करने वाले व्यक्ति) के खिलाफ सेबी की हालिया कार्रवाई को बिना लाइसेंस वाली वित्तीय सलाह पर नकेल कसने की नियामक की गंभीरता के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तकनीक में प्रगति के साथ सोशल मीडिया पर फर्जी निवेश वीडियो और ऐप की बाढ़ आ गई है, जिनमें से कई 'डीपफेक एआई' का उपयोग कर रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि निवेशक सुरक्षा को एक "रक्षात्मक कार्य से विकासात्मक कार्य" में बदलने की आवश्यकता है। उन्होंने नगर निगम बांड को धन जुटाने के लिए एक अधिक प्रभावी मंच बनाने के लिए गंभीर प्रयास करने पर भी जोर दिया।

सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया

नई दिल्ली। सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन करते हुए अशोक कुमार लाहिड़ी को वाइस चेयरमैन तथा पांच पूर्णकालिक सदस्यों की नियुक्ति की है, जिनमें अर्थशास्त्री के वी राजू, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक एम श्रीनिवास और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अभय करंदीकर शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाहिड़ी और वैज्ञानिक गोबर्धन दास और पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गौबा सहित नए पूर्णकालिक सदस्यों को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, "सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। मैं अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर शुभकामनाएं देता हूं। साथ ही राजीव गौबा, के वी राजू, गोबर्धन दास, अभय करंदीकर और एम श्रीनिवास को पूर्णकालिक सदस्य बनने पर बधाई देता हूं। मैं सभी के सफल और प्रभावी कार्यकाल की कामना करता हूं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि नीति आयोग भारत की नीतिगत संरचना में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरा है, जो सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने, सुधारों को आगे बढ़ाने और जीवन सुगमता को प्रोत्साहित करने का काम कर रहा है।

उन्होंने कहा, "यह विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और दीर्घकालिक रणनीतिक सोच के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है।" प्रधानमंत्री नीति आयोग के चेयरमैन हैं। नियुक्ति के बाद लाहिड़ी ने शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की। पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक लाहिड़ी भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और 15वें वित्त आयोग के सदस्य रह चुके हैं। वह राज्य में जारी विधानसभा चुनावों में प्रत्याशी नहीं हैं।

शुक्रवार को बिजली की अधिकतम मांग रिकॉर्ड 252 गीगावाट पर

नई दिल्ली। भीषण गर्मी के बीच कूलिंग उपकरणों, जैसे एयर कंडीशनर और कूलर के बढ़ते उपयोग के कारण देश में बिजली की अधिकतम मांग शुक्रवार को रिकॉर्ड स्तर 252.07 गीगावाट पर पहुंच गई, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर है। बिजली मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले मई 2024 में अधिकतम बिजली मांग 250 गीगावाट दर्ज की गई थी। मंत्रालय के अनुसार, 24 अप्रैल को देश की अधिकतम बिजली मांग 252.07 गीगावाट रही, जबकि 23 अप्रैल को यह 240.12 गीगावाट और 22 अप्रैल को 239.70 गीगावाट दर्ज की गई थी। सरकार ने इस गर्मी के मौसम में अधिकतम बिजली मांग 270 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान लगाया था, हालांकि अब तक वास्तविक मांग इस अनुमान से कम रही है। पिछले वर्ष गर्मी के मौसम में अधिकतम बिजली मांग जून 2025 में 242.77 गीगावाट दर्ज की गई थी, जबकि अप्रैल 2025 में यह 235.32 गीगावाट रही थी।

हरियाणा में गेहूं की खरीद सुचारू रूप से जारी, मंडियों में रिकॉर्ड आवक: सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कहा कि राज्य की मंडियों में रिकॉर्ड आवक के बीच गेहूं की खरीद सुचारू रूप से जारी है। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा शुरू की गई बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी नई व्यवस्थाओं को लेकर किसानों को परेशान किए जाने के आरोप निराधार हैं।

उन्होंने बताया कि रबी विपणन सत्र 2026-27 में अब तक फसलों की रिकॉर्ड आवक दर्ज की गई है, जिसने पिछले चार वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक मंडियों में 81 लाख टन से अधिक गेहूं की आवक हुई है, जिनमें से 70 लाख टन से अधिक की खरीद की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि 11 अप्रैल को एक ही दिन में मंडियों में सात लाख टन से अधिक गेहूं की आवक दर्ज की गई थी।

सैनी ने कहा कि अब तक 5.80 लाख किसान अपनी फसल लेकर मंडियों में पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि किसान आधुनिक तकनीकों को अपना रहे हैं और पारदर्शी खरीद व्यवस्था पर भरोसा जता रहे हैं।

भारत वेंचर्स शिखर सम्मेलन में स्टार्टअप ने पेश किए नए समाधान

जयपुर। भारत वेंचर्स शिखर सम्मेलन में शनिवार को स्टार्टअप ने सूचना एवं प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा, बैंकिंग, वित्त और परिवहन क्षेत्रों में नए समाधान पेश किए। कार्यक्रम में 20 से अधिक स्टार्टअप ने निवेशकों के सामने अपने नवाचार के बारे में बताया। कार्यक्रम में बैंकिंग और वित्त से जुड़े स्टार्टअप ने फिनटेक मंच, डिजिटल भुगतान समाधान, ब्लॉकचेन-आधारित सुरक्षा प्रणालियों और सूक्ष्म वित्त मॉडल पर ध्यान आकर्षित किया। इनका मकसद दक्षता को और अधिक बढ़ाना है। परिवहन क्षेत्र पर केंद्रित स्टार्टअप ने विद्युत गतिशीलता, कृत्रिम मेधा आधारित यातायात प्रबंधन और हरित परिवहन में नवाचार के बारे में बताया, जिन्हें भविष्य-उन्मुख शहरी ढांचे के लिए अहम माना जा रहा है। भारत वेंचर शिखर सम्मेलन के दौरान फेडरेशन ऑफ यूनिकॉर्न इनोवेटिव स्टार्टअप्स एंड इंडस्ट्रीज (एफयूआईएसआई) के पदाधिकारियों का स्थापना समारोह भी हुआ, जिसमें शोधकर्ताओं, नवप्रवर्तकों और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पोद्दार समूह और एफयूआईएसआई के चेयरमैन आनंद पोद्दार ने कहा कि संस्था का लक्ष्य 10,000 स्टार्टअप को सलाह, अनुदान और ज्ञान-साझाकरण पहलों के माध्यम से सहयोग देना है। संगठन का ध्यान नवीकरणीय ऊर्जा, मीडिया तकनीक, हरित अर्थव्यवस्था और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों पर है। भारत वेंचर के चेयरमैन डॉ. संजय खंडेलवाल ने कहा, "स्टार्टअप भारत की आर्थिक वृद्धि के प्रमुख इंजन है। एफयूआईएसआई के माध्यम से निवेश, मार्गदर्शन और तकनीकी समर्थन देकर युवाओं के विचारों को वास्तविकता में बदलने का प्रयास किया जा रहा है।"

पीपीबीएल पर कार्रवाई का कोई असर नहीं, पेटीएम के कारोबार में मजबूत गति बरकरार

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी भुगतान ऐप पेटीएम (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) ने कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) पर भारतीय रिजर्व बैंक की कार्रवाई का कंपनी पर कोई वित्तीय या व्यावसायिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनी ने दोहराया कि बैंकिंग इकाई के साथ उसका कोई महत्वपूर्ण व्यावसायिक समझौता या जोखिम नहीं है।

नोएडा स्थित इस दिग्गज फिनटेक कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि पीपीबीएल स्वतंत्र रूप से काम करता है और इसमें पेटीएम का कोई बोर्ड या प्रबंधन हस्तक्षेप नहीं है। कंपनी ने स्पष्ट किया, "जैसा कि एक मार्च, 2024 को पहले ही बताया जा चुका है, कंपनी का पीपीबीएल के साथ कोई जोखिम या महत्वपूर्ण व्यावसायिक समझौता नहीं है। कंपनी द्वारा दी जाने वाली कोई भी सेवा पीपीबीएल के साथ साझेदारी में नहीं है। इसके अलावा, पीपीबीएल स्वतंत्र रूप से संचालित होता है।"

पेटीएम ने यह भी कहा कि कंपनी पर इसका कोई वित्तीय प्रभाव नहीं है, क्योंकि वह 31 मार्च, 2024 को ही पीपीबीएल में अपने निवेश को बट्टे खाते में डाल चुकी है। कंपनी ने आगे स्पष्ट किया कि उसकी कोई भी सेवा पीपीबीएल से जुड़ी नहीं है और उसकी सहायक कंपनियों सहित सभी पेशकश सामान्य रूप से काम कर रही हैं।

पेटीएम ने कहा, "पेटीएम (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) और उसकी सेवाएं, बिना किसी रुकावट के चल रही हैं, और आगे भी निर्बाध रूप से जारी रहेंगी। इनमें पेटीएम ऐप, पेटीएम यूपीआई, पेटीएम गोल्ड और सहायक व सहयोगी कंपनियों की अन्य सेवाएं जैसे पेटीएम क्यूआर, पेटीएम साउंडबॉक्स, पेटीएम कार्ड मशीन, पेटीएम पेमेंट गेटवे और पेटीएम मनी आदि शामिल हैं।"

प्रियंका चोपड़ा को मिलेगा 'ग्लोबल वैंगार्ड ऑनर'

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को उनके अंतरराष्ट्रीय करियर में एक और बड़ी उपलब्धि मिलने जा रही है। गोल्ड हाउस द्वारा आयोजित 'गोल्ड गाला 2026' में उन्हें प्रतिष्ठित ग्लोबल वैंगार्ड ऑनर से सम्मानित किया जाएगा। यह समारोह 9 मई को लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन स्थित 'द म्यूजिक सेंटर' में आयोजित होगा, जहां मनोरंजन और कला जगत की कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियां मौजूद रहेंगी। प्रियंका को यह सम्मान फिल्म जगत में उनके 25 वर्षों के योगदान और एशियाई प्रशांत संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में उनकी भूमिका के लिए दिया जा रहा है। गोल्ड हाउस के अनुसार, प्रियंका ने भारतीय सिनेमा और हॉलीवुड के बीच एक मजबूत सेतु का काम किया है और अपनी प्रतिभा से दुनियाभर में अलग पहचान बनाई है। इस सम्मान समारोह में चार्ल्स मेल्टन, जेट ली, सिमु लियू और ईजेएई जैसे अन्य चर्चित नाम भी सम्मानित किए जाएंगे। 'गोल्ड गाला' का यह पांचवां संस्करण होगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 650 से अधिक मेहमान गोल्ड 100 सूची में शामिल हस्तियों का जश्न मनाने के लिए एकत्र होंगे। प्रियंका का नाम इस सूची में शामिल होना उनके लगातार बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है। अभिनय के साथ-साथ वह अपनी प्रोडक्शन कंपनी पर्पल पेबल पिक्चर्स के जरिए भी कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स से जुड़ी रही हैं। प्रियंका चोपड़ा ने बीते कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उनका नाम टाइम 100 और फोर्ब्स की प्रभावशाली महिलाओं की सूची में भी शामिल हो चुका है। आने वाले समय में वह निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

फिल्म 'किंग' का नया वीडियो जारी

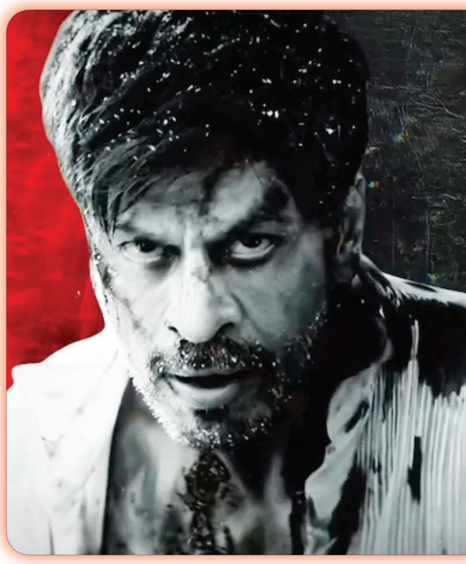

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' को लेकर दर्शकों का इंतजार और बढ़ गया है। साल 2023 में 'पठान', 'जवाब और 'डंकी' जैसी लगातार सफल फिल्मों के बाद अब शाहरुख एक बार फिर बड़े पर्दे पर नए अंदाज में लौटने के लिए तैयार हैं। हाल ही में फिल्म के निर्माताओं ने एक नया वीडियो जारी कर इसकी रिलीज तारीख की आधिकारिक घोषणा कर दी है। रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट ने सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में शाहरुख खान की दमदार झलक दिखाई गई है। वीडियो में वह फिल्म की टैगलाइन 'डर नहीं, दहशत हूं' बोलते नजर आ रहे हैं। इसके साथ कैप्शन में बताया गया कि फिल्म 24 दिसंबर 2026 को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस वीडियो के सामने आते ही फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है, जो इससे पहले शाहरुख के साथ पठान में काम कर चुके हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में पहली बार शाहरुख की बेटी सुहाना खान भी उनके साथ बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। फिल्म में दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ और अरशद वारसी जैसे कई बड़े सितारे भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म को एक भव्य एक्शन-ड्रामा के रूप में पेश किया जा रहा है।

'तुम ही हो' से मिली अरिजीत सिंह को पहचान

करियर के पीक पर लिया संन्यास

मुंबई। अरिजीत सिंह ने करियर के शिखर पर सिंगिंग से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। 'तुम ही हो' से पहचान बनाने वाले सिंगर 400 से ज्यादा गाने गा चुके हैं। हालांकि, वह संगीत से जुड़े रहेंगे। भारतीय संगीत जगत में अपनी जादुई आवाज से करोड़ों दिलों पर राज करने वाले अरिजीत सिंह ने एक ऐसा फैसला लिया है, जिसने उनके फैंस को भावुक कर दिया है। करियर के शिखर पर खड़े इस मशहूर गायक ने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। हालांकि, उन्होंने यह साफ किया है कि वह पूरी तरह संगीत से दूर नहीं जा रहे, बल्कि अब फिल्मों में गाने नहीं गाएंगे। अरिजीत सिंह का नाम आज हर संगीत प्रेमी की जुबान पर है, लेकिन उनका सफर आसान नहीं रहा। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत रियलिटी शो से की थी, जहां उन्हें ज्यादा पहचान नहीं मिली। लेकिन साल 2013 में फिल्म आशिक 2 के गाने तुम ही हो ने उनकी जिंदगी बदल दी। इस गाने ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया और वह बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा सिंगर बन गए। अरिजीत सिंह ने अपने करियर में 400 से अधिक गाने गाए हैं। रोमांटिक, सैड, सूफी या फिर पार्टी सॉन्ग हर तरह के गानों में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। 'चन्ना मेरेया', 'केसरिया' और 'अपना बना ले' जैसे गानों ने उन्हें संगीत की दुनिया का सुपरस्टार बना दिया। उनकी आवाज में जो भावनात्मक गहराई है, वही उन्हें बाकी गायकों से अलग बनाती है। जहां ज्यादातर सितारे लाइमलाइट में रहना पसंद करते हैं, वहीं अरिजीत सिंह हमेशा सादगी भरी जिंदगी जीने के लिए जाने जाते हैं। वह सोशल मीडिया से भी दूरी बनाए रखते हैं और अक्सर आम लोगों की तरह साधारण जीवन जीते नजर आते हैं। यही सादगी उनके फैंस को उनसे और भी ज्यादा जोड़ती है। प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने के बावजूद अरिजीत ने अपने फैंस को निराश नहीं किया है। अरिजीत सिंह ने साफ किया है कि वह स्वतंत्र रूप से संगीत बनाते रहेंगे और नए प्रोजेक्ट्स पर काम करेंगे।

संजय दत्त फिर बनेंगे 'बल्लू', 'खलनायक रिटर्न्स' का ऐलान

साल 1993 की चर्चित फिल्म 'खलनायक' का लोकप्रिय किरदार 'बल्लू' अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटने जा रहा है। अभिनेता संजय दत्त ने हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अपनी नई फिल्म 'खलनायक रिटर्न्स' की आधिकारिक घोषणा की। इस फिल्म को मूल फिल्म का नया रूप बताया जा रहा है, जिसने 90 के दशक में दर्शकों के बीच अलग पहचान बनाई थी। संजय दत्त ने बताया कि उनकी कंपनी थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स और अक्षा कंबोज की एस्पेक्ट एंटरटेनमेंट ने मिलकर फिल्मकार सुभाष घई और उनकी कंपनी मुक्ता आर्ट्स से फिल्म के अधिकार हासिल किए हैं। कार्यक्रम में फिल्म का एक छोटा टीज़र भी दिखाया गया, जिसमें संजय दत्त अपने मशहूर किरदार 'बल्लू' के नए और दमदार अंदाज में नजर आए। इस मौके पर अभिनेता ने सुभाष घई को फिल्म की विरासत के लिए धन्यवाद भी दिया। अभिनेता ने खुलासा किया कि उन्हें इस फिल्म का विचार उस समय आया था जब वह जेल में सजा काट रहे थे। उन्होंने बताया कि वहां उन्होंने कई कैदियों से पूछा था कि क्या वे 'खलनायक' की वापसी देखना चाहेंगे। संजय के मुताबिक, हजारों कैदियों की सकारात्मक प्रतिक्रिया ने उन्हें इस कहानी को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। बाद में उन्होंने यह विचार सुभाष घई के साथ शेयर किया, जिन्होंने इसे आगे बढ़ाने का समर्थन किया। फिलहाल निर्माताओं ने यह साफ नहीं किया है कि 'खलनायक रिटर्न्स' मूल फिल्म का सीधा सीक्वल होगी या फिर उसकी नई कल्पना के रूप में सामने आएगी। फिल्म की कहानी को पूरी तरह गोपनीय रखा गया है। संजय दत्त ने इस परियोजना के रचनात्मक निर्देशन के लिए ज्योति देशपांडे को भी साथ जोड़ा है। फिल्म की घोषणा के बाद दर्शकों के बीच इसे लेकर उत्सुकता काफी बढ़ गई है।